संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

ॐ

■ वर्ष -17 ■ अंक-160 ■ रायपुर, शनिवार 07 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : त्रयोदशी
नक्षत्र : चित्रा
प्रथम करण : वणिजा
द्वितीय करण : विष्टि
पक्ष : कृष्ण
वार : शनिवार
योग : प्रीति
सूर्योदय : 06:41
सूर्यास्त : 17:27
चंद्रमा : कन्या राशि में
राहुकाल : 09:22 - 10:43
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:43 - 12:26

1.46 लाख का अवैध पटाखा जब्त

धमतरी. छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पुलिस ने अवैध पटाखों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. दो अलग-अलग इलाकों में बिना वैध लाइसेंस के पटाखे बेचने और भंडारण का खेल चल रहा था. इन ठिकानों पर पुलिस ने दबिश देकर लाखों रुपये के पटाखे जब्त किए हैं. पहली कार्रवाई नगरी क्षेत्र की है, यहां ग्राम फरसिया में एक घर में बिना वैध लाइसेंस के पटाखों को बेचने के लिए रखा गया था. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. अलग-अलग कंपनियों के करीब एक लाख 30 हजार रुपये के पटाखे जब्त किए गए. विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(ख) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है. मगरलोड थाना क्षेत्र में भरदा मार्ग स्थित बेकरी भंडार किराना स्टोर में अवैध रूप में पटाखा भंडारण किया गया था. भरदा मार्ग स्थित बेकरी भंडार एवं किराना स्टोर पर पुलिस टीम ने दबिश दी. एक कार्टून में अलग-अलग कंपनियों के 16 हजार 500 रुपये के पटाखा जब्त किया गया. फिलहाल 3 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है. पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध पटाखा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है.

कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार कोच में लगी आग

चंडीगढ़। पंजाब के पटियाला जिले में शुक्रवार दोपहर बड़ा रेल हादसा टल गया। राजपुरा के पास सराय बंजारा क्षेत्र में अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लग गई। चलती ट्रेन में आग और धुएं का गुबार देखकर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, समय रहते यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना में किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन संख्या 12508 शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे सराय बंजारा के पास पहुंची थी। आग इंजन से पांचवें कोच के आसपास लगी और देखते ही देखते आसपास के डिब्बों तक फैल गई। कुछ रिपोर्टों में आग की शुरुआत पैंट्री कार से होने की बात कही गई है। आग के साथ उठते घने धुएं को देखकर यात्रियों ने ट्रेन से उतरकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना शुरू कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग की चेतावनी मिलने के बाद ट्रेन को रोककर यात्रियों को बाहर निकाला गया। रेलवे अधिकारियों, पुलिस और दमकल टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

Gen Z युवा प्रांजल जैसे कलाकार राज्य की लोकसंस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की मजबूत कड़ी : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति के संरक्षण में प्रांजल सिंह का योगदान सराहनीय : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संस्कृति और पारंपरिक विधाओं को सहेजने तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए समर्पित रायपुर के युवा लोककलाकार श्री प्रांजल सिंह राजपूत के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का एक स्नेहिल पत्र असीम प्रेरणा और खुशियों की सौगात लेकर आया है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रांजल की कला साधना, शिक्षा और भरथरी लोकगायन के संरक्षण-संवर्धन के प्रयासों की सराहना किए जाने के बाद से युवा कलाकार बेहद गदगद और भावुक हैं।

मुख्यमंत्री की पाती पाकर भावुक हुए प्रांजल

मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर अपनी खुशी साझा करते हुए प्रांजल सिंह ने कहा, "मुख्यमंत्री जी की पाती मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद भावुक और गौरव का क्षण है। उन्होंने न केवल मेरी कला को बल्कि मेरी शिक्षा को भी सराहा है। आज उनका पत्र पाकर मेरा मन गदगद हो गया है और यह मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय पल है। मुख्यमंत्री जी का यह स्नेह और प्रोत्साहन मुझे छत्तीसगढ़ी लोककला को और अधिक समर्पित भाव से आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।"

मुख्यमंत्री के पत्र में लोककला साधना की सराहना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में प्रांजल सिंह की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उल्लेख किया है कि उन्होंने भौतिकी में





स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद लोकसंगीत की विभिन्न विधाओं को जीवंत रखा है। श्रीमती रेखा जलक्षत्री के मार्गदर्शन में भरथरी सीखने की उनकी यह कला यात्रा अब अन्य नवोदित साधकों तक भी पहुंच रही है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष प्रकाश डाला कि प्रांजल अपनी भरथरी प्रस्तुतियों में गायन के साथ-साथ अभिनय और नृत्य को भी बखूबी स्थान देते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने 'अहिल्या गाथा' की शानदार प्रस्तुति के जरिए लोकविधाओं में कई नए और रचनात्मक प्रयोग किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवा कलाकार द्वारा किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रांजल 'लोकगाथा भरथरी' के माध्यम से नए कलाकारों को पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके अलावा, 'आकार' शिविर के जरिए बच्चों से लेकर वरिष्ठजनों तक को अपनी कला का ज्ञान बांट रहे हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित कलाकार आज विभिन्न मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां देकर इस सांस्कृतिक थाती को आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री के आह्वान और Gen Z पीढ़ी की भूमिका

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की प्राचीन लोकपरंपराओं और कथावाचन की विविध शैलियों को आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित करने के आह्वान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भरथरी सीखने और सिखाने का प्रांजल का यह सत्प्रयास इसी राष्ट्रीय भावना से मजबूती से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रांजल सिंह को Gen Z पीढ़ी के उन होनहार युवाओं में शुमार किया, जिनके कंधों पर छत्तीसगढ़ की लोककलाओं की आगे की गौरवशाली यात्रा टिकी हुई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रांजल सिंह के माता-पिता–पिता श्री कमलेश सिंह एवं माता श्रीमती ममता राजपूत को सादर अभिवादन प्रेषित करते हुए प्रांजल की कला साधना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

15 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन तैयारियों के लिए 11 को आएंगी प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर आएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद यह उनका पहला छत्तीसगढ़ दौरा होगा। इस दौरान वे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इससे पहले प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी 10 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगी।





जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आमंत्रण पर नितिन नबीन छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे। उनके दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा संगठन में तैयारियां शुरू हो गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को राजनीतिक और संगठनात्मक लिहाज से अहम माना जा रहा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे की तैयारियों का जायजा लेने प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी 11 नवंबर को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगी। बताया जा रहा है कि वे सीधे धरमजयगढ़ जाएंगी और कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण करेंगी।

जनजातीय गौरव दिवस पर जुटेंगे भाजपा के दिग्गज

धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में नितिन नबीन की मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उनके दौरे से पहले प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी का पहुंचना संगठन की तैयारियों को लेकर भाजपा की गंभीरता को दर्शाता है। अब प्रदेश की सियासत में 15 नवंबर के इस दौरे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

त्योहारी सीजन में गोल बाजार में उमड़ी भीड़, पुलिस ड्रोन से कर रही निगरानी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

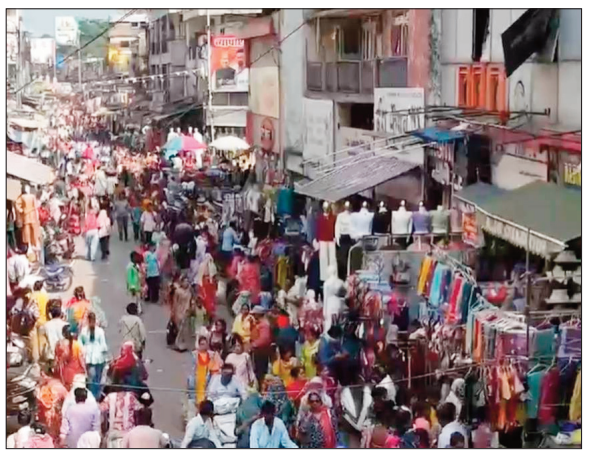
त्योहारी सीजन को देखते हुए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने शहर की यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। शहर के प्रमुख और व्यस्ततम बाजार क्षेत्रों जैसे सदर बाजार, मालवीय रोड, जय स्तंभ चौक, पंडरी मार्केट, पुरानी बस्ती और भाठागांव में सुगम यातायात एवं पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पुलिस बल लगातार पेट्रोलिंग कर रहा है और आधुनिक तकनीकों के जरिए बाजार क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है।

निरंतर पेट्रोलिंग एवं सुचारू यातायात प्रबंधन

बाजार क्षेत्रों में यातायात पुलिस के अधिकारी और जवान लगातार गश्त कर रहे हैं, ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। सड़क पर बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों को तत्काल हटवाकर यातायात सुचारू बनाया जा रहा है।

नो-पार्किंग और नियम विरुद्ध खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई

बाजारों में नो-पार्किंग जोन अथवा मार्ग अवरुद्ध कर खड़े



किए गए वाहनों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही क्रेन की मदद से ऐसे वाहनों को जब्त कर हटाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान अब तक 100 से अधिक वाहनों को क्रेन के माध्यम से हटाया जा चुका है।

ड्रोन कैमरों से सघन निगरानी और जन-अपील

यातायात प्रबंधन के साथ-साथ समग्र सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमिश्नरेट पुलिस द्वारा बाजार क्षेत्रों की ड्रोन कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। इससे प्रमुख बाजार क्षेत्रों पर हवाई नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या सुरक्षा संबंधी स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

यातायात पुलिस की नागरिकों से अपील

यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। सड़कों पर बनी व्हाइट लाइन (सफेद पट्टी) के भीतर ही वाहन पार्क करें। नो-पार्किंग क्षेत्र अथवा संकरे मार्गों पर वाहन खड़ा न करें, जिससे अन्य राहगीरों को असुविधा हो।

पुलिस ने नागरिकों से शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करने की अपील की है।

CBSE ने 10वीं-12वीं की परीक्षा तारीखों का ऐलान किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा तारीखों का ऐलान किया है। सीबीएसई की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से शुरू होंगी। सीबीएसई के मुताबिक 10वीं में 26.50 लाख, 12वीं में 19.80 लाख छात्र परीक्षा देंगे। ये डेट शीट परीक्षाएं शुरू होने से 101 दिन पहले जारी की गई हैं। 6 नवंबर के CBSE नोटिफिकेशन के अनुसार, कक्षा 10 के छात्र 83 विषयों की परीक्षा देंगे, जबकि कक्षा 12 के छात्र 121 विषयों की परीक्षा देंगे।

16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी परीक्षाएं

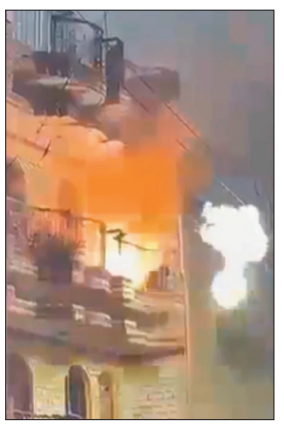
बोर्ड ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम कई बातों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इनमें शामिल हैं - छात्रों द्वारा आमतौर पर एक साथ चुने जाने वाले विषयों के पेपरों के बीच का अंतर, प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं का शेड्यूल, और हर परीक्षा केंद्र पर शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या। CBSE ने कहा कि उसने इस शेड्यूल को इस तरह से भी तैयार किया है ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को लंबे समय तक स्कूल से दूर न रहना पड़े।

बोर्ड ने डेट शीट तैयार करते समय 40,000 से अधिक विषय संयोजनों (subject combinations) पर विचार किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी छात्र द्वारा चुने गए किन्हीं दो विषयों की परीक्षाएं एक ही दिन न पड़ें। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि स्कूलों द्वारा उम्मीदवारों की सूची (LOC) जमा करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही यह शेड्यूल फाइनल किया गया। अब बोर्ड के पास छात्रों द्वारा चुने गए विषय संयोजनों का अंतिम डेटा मौजूद है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर पिता-पुत्र की मौत, मां गंभीर

बलौदाबाजार (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में आज एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जहां हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। वहीं महिला जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। अब इस घटना का दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है।

सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से हाईटेंशन लाइन से भीषण आग निकल रही है और आग घर की बालकनी में फैल जाती है। वहीं आसपास मौजूद



लोग यह नजारा देखकर कांप उठते हैं।

बता दें कि नेहरू चौक में घर के बाहर से हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही है। यह तार घर से महज पांच फीट की दूरी पर है। शुक्रवार सुबह घर में जाला साफ करते हुए राकेश गुप्ता पहले करंट की चपेट में आए, जिन्हें बचाने के चक्कर में पत्नी वर्षा और बेटा ईशान भी झुलस गए।

इस घटना में पिता और पुत्र की मौत हो गई और महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने भी इस घटना की जांच शुरु कर दी है।

तेज रफ्तार ट्रक ने 7 लोगों को कुचला, 4 महिलाएं और 3 बच्चों की मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के खूंटी जिले में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. तेज रफ्तार 18 चक्का ट्रक ने सड़क किनारे खड़े लोगों को कुचल दिया. इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में 4 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं. हादसे में एक महिला घायल भी हुई है. उसे खूंटी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना कर्रा थाना क्षेत्र में कर्रा-तोरपा मुख्य सड़क पर जोने-लुदरू मोड़ के पास हुई.

झारखंड में तेज रफ्तार ट्रक ने 7 लोगों को कुचला, 4 महिलाएं और 3 बच्चों की मौत



जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 9:45 बजे जोने-लुदरू मोड़ के पास एक स्कूटी सवार का संतुलन बिगड़ गया. वह पुलिया के पास झाड़ियों में गिर गया. हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास की महिलाएं और बच्चे मौके पर पहुंच गए. सभी स्कूटी सवार की मदद करने और उसका हाल जानने के लिए वहां जुटे थे. इसी दौरान तोरपा की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहा 18 चक्का ट्रक सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदता हुआ निकल गया. ट्रक की चपेट में आने से 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई. स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की.

इलाज के दौरान 12 साल के बच्चे ने तोड़ा दम

हादसे के बाद सभी मृतकों और घायलों को खूंटी सदर अस्पताल ले जाया गया. रात करीब 11:15 बजे इलाज के दौरान 12 साल के सौरभ नायक की भी मौत हो गई. इसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हो गई. मृतकों की पहचान पाको देवी, कसिला देवी, मनहु देवी, गोलू कुमार, अंजलि कुमारी, टुटी कुमारी और 12 साल के सौरभ नायक के रूप में हुई है.

डिजिटल और पेपरलेस विधानसभा की ओर छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA) पर दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ विधानसभा को आधुनिक तकनीक से लैस करने तथा इसकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, सुगम, सुव्यवस्थित और पेपरलेस बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। इसी उद्देश्य के तहत राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (NeVA – National e-Vidhan Application) के प्रभावी क्रियान्वयन और सुचारू उपयोग को लेकर आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को NeVA'k एप्लीकेशन की तकनीकी एवं व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना था, ताकि विधायी कार्यों में डिजिटल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। इस पहल से विधानसभा के कामकाज में सूचना प्रौद्योगिकी (IT) का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा और प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।



प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय (MoPA) के NeVA समन्वयक श्री अमन गौतम और श्री श्रीधर स्वामी ने एप्लीकेशन के विभिन्न तकनीकी मॉड्यूल की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने विशेष रूप से एडमिन मॉड्यूल, प्रश्न मॉड्यूल और समिति मॉड्यूल के उपयोग एवं संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण उपस्थित प्रतिभागियों को प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को निम्नडिजिटल कार्यप्रणालियों का प्रशिक्षण दिया गया। डिजिटल माध्यम से विधानसभा के प्रश्न और सूचनाएं प्रस्तुत करना, विधायी दस्तावेजों का ऑनलाइन प्रबंधन एवं सुरक्षित रख-रखाव, सदन की कार्यवाही से संबंधित सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान, विभिन्न संसदीय और विधायी प्रक्रियाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए संचालित करना शामिल है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस एप्लीकेशन के माध्यम से कामकाज न केवल बेहद सरल और त्वरित होगा, बल्कि इससे कार्य निष्पादन में भी उच्च स्तर की प्रभावशीलता आएगी।

'रामायण' का बड़ा धमाका, 2 ही दिन में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 155 करोड़ रुपए के पार



मुंबई (एजेंसी)। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश स्टारर 'रामायण' आखिरकार थिएटर्स में दस्तक दे चुकी है और वो भी बेहद दमदार अंदाज में। 'रामायण' की रिलीज के साथ ही इसके कलाकार इसमें काम करने का अपना-अपना एक्सपीरियंस साझा कर रहे हैं। रकुल प्रीत सिंह ने भी हाल ही में लंबे-चौड़े के जरिए इस फिल्म में काम करने का अपना अनुभव शेयर किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत करते हुए ओपनिंग डे पर ही 64.85 करोड़ रुपये (नेट) कमाई कर ली और फिल्म की इंडिया ग्रॉस कमाई 77.50 करोड़ रुपये रही। वहीं दुनियाभर में इसने 127.50 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। अब फिल्म के दूसरे दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जिसके अनुसार शाम 6 बजे तक ये फिल्म 155 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है और इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिसर पर शानदार ओपनिंग करते हुए इतिहास बना दिया है।

रामायण का ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर कमाल

खास बात तो ये है कि घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर भी 'रामायण' का असर देखने को मिल रहा है। ग्लोबल बॉक्स ऑफइस पर दमदार शुरुआत को चिन्हित करते हुए, रणबीर कपूर स्टारर इस मेगा बजट फिल्म ने दुनिया भर में शाम 6 बजे तक ग्रॉस 155 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। जहां सालों से दिवाली से ठीक पहले का समय फिल्मों की रिलीज के लिहाज से मुश्किल माना जाता रहा है, तो वहीं 'रामायण' इस मुश्किल को तोड़ती नजर आ रही है। दिवाली जैसे बड़े त्योहार के बीच भी दर्शक इस फिल्म के लिए समय निकाल रहे हैं और सिनेमाघर पहुंच रहे हैं।

दिवाली की व्यस्तता के बीच बनाया नया रिकॉर्ड

दिवाली के दौरान आमतौर पर बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों को कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिलता। दरअसल, त्योहार से पहले लोग घरों की सफाई, खरीदारी, सजावट और मरम्मत जैसे कामों में व्यस्त रहते हैं और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करते हैं।

ऐसे में सिनेमाघर जाकर फिल्में देखने का प्लान अक्सर पीछे छूट जाता है। लेकिन, नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' ने इस पुरानी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। फिल्म ने त्योहार से पहले सिनेमाघरों में शानदार ओपनिंग की है। फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है और सुबह के शुरुआती शोज से ही सिनेमाघरों में भारी भीड़ देखने को मिली, जिसका असर बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिला।

'रामायण' की कास्ट और अन्य डिटेल

'रामायण' की बात करें तो नितेश तिवारी द्वारा डायरेक्टेड और प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा की प्राइम फोकस स्टूडियो और रॉकिंग स्टार यश की मॉन्सटर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले प्रोड्यूस 'रामायणः पार्ट वन' में रणबीर कपूर (भगवान राम), साई पल्लवी (माता सीता), यश (रावण), रवि दुबे (लक्ष्मण), अरुण गोविल (राजा दशरथ), लारा दत्ता (कैकयी), रकुल प्रीत सिंह (शूर्पणखा) और काजल अग्रवाल (मंदोदरी) की भूमिका में हैं। जबरदस्त उत्साह के बीच, ये फिल्म 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर में रिलीज़ हो हुई, जिसके कलाकारों की अब हर तरफ चर्चा हो रही है।

अमिताभ बच्चन के साथ जब हुई ईव टीजिंग, कॉलेज की लड़कियों ने खुलेआम छेड़ा, KBC में सुनाया किस्सा



मुंबई (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन 84 साल के हो चुके हैं और इस उम्र में भी वह बेहद एक्टिव हैं। इस उम्र में भी वह कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं, सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और क्विज बेस्ड रियेलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' भी होस्ट कर रहे हैं। इस शो में बिग बी अक्सर अपने करियर, परिवार और जवानी के दिनों से जुड़ी यादें शेयर करते रहते हैं। अब 'केबीसी' के हालिया एपिसोड में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। अमिताभ बच्चन ने शो के लेटेस्ट एपिसोड में वो दिन याद किया जब उन्हें कॉलेज की लड़कियों ने छेड़ा था। माधुरी दीक्षित की मौजूदगी वाले एपिसोड में, अमिताभ बच्चन ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया और फिर कहा कि जब उन्हें लड़कियों ने छेड़ा, तब उन्हें समझ आया कि महिलाएं रोज किन हालातों से गुजरती हैं।

जब अमिताभ बच्चन को लड़कियों ने छेड़ा

अमिताभ बच्चन ने माधुरी दीक्षित से बात करते हुए मिरांडा हाउस के अपने पहले दौरे को याद किया। उन्होंने बताया कि हॉस्टल की बालकनी में कुछ लड़कियां बैठी थीं, जिन्होंने उन पर मजेदार कमेंट्स किए। घटना का जिक्र करते हुए बिग बी कहते हैं- 'मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं, जो थोड़ी संवेदनशील भी है। ये मेरा मिरांडा हाउस में पहला दिन था, जब हम वहां गए तो हॉस्टल की बालकनी में कुछ लड़कियां बैठी थीं। हॉस्टल की बालकनी से ही उन्होंने हमें देखा और कहा- 'हाय-हाय, क्या चाल है!' और तब हमें पता चला कि एक महिला हर दिन किन हालातों से गुजरती है। उनके दिल में क्या होता है, जब आए दिन उनके साथ छेड़छाड़ होती है।'

जब तक खुद के ऊपर नहीं बीतती समझ नहीं आता- अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन आगे इस बारे में बात करते हुए कहते हैं- 'जब तक आपके ऊपर खुद चीजें नहीं बीततीं, तब तक आपको पता नहीं चलता। आपको नहीं पता चलेगा कि जब हम पहली बार मिरांडा हाउस में घुसे और ये सब कुछ सुना तो हमें समझ ही नहीं आया कि यार क्या करें।' इस पर माधुरी दीक्षित पूछती हैं- 'तो आपने क्या किया?' इस पर बिग बी ने अपने ही अंदाज में जवाब देते हुए कहा- 'भाग गए हम, और क्या।' ये सुनते ही माधुरी दीक्षित और सामने बैठी ऑडियंस जोर-जोर से हंसने लगी।

कौन हैं 'रामायण' में रावण की मां कैकेसी, 200 से ज्यादा फिल्मों में कर चुकी हैं काम, पद्म भूषण से भी सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' रिलीज के बाद से ही दर्शकों और समीक्षकों के बीच चर्चा में है। फिल्म के भव्य सेट, शानदार संगीत और कलाकारों के अभिनय को काफी सराहना मिल रही है। रणबीर कपूर और यश जैसे सितारों के बीच एक ऐसी अभिनेत्री भी हैं, जिनकी मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। हम बात कर रहे हैं दिग्गज अभिनेत्री शोभना की, जो फिल्म में रावण की मां कैकेसी का किरदार निभा रही हैं। करीब चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में शोभना ने 200 से अधिक फिल्मों में काम किया है। अभिनय के साथ-साथ वह भरतनाट्यम की प्रशिक्षित नृत्यांगना भी हैं। उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से लेकर पद्म भूषण तक कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। विश्वामित्र के रोल में नजर आए एक्टर की भी काफी चर्चाएं हैं।

शोभना का जन्म 21 मार्च 1970 को हुआ था। उनका परिवार केरल से ताल्लुक रखता है। उनके माता-पिता का नाम चंद्रकुमार पिल्लई और आनंदम चंद्रकुमार पिल्लई है। शोभना का संबंध अभिनय और नृत्य की दुनिया के चर्चित ट्रावणकोर परिवार से भी रहा है। वह मशहूर ट्रावणकोर सिस्टर्स यानी ललिता, पद्मिनी और रागिनी की भतीजी हैं। ये तीनों बहनें अपने अभिनय के साथ-साथ शास्त्रीय नृत्य के लिए भी जानी जाती थीं। अभिनेत्री पार्वती और अभिनेता विनीत उनके चचेरे भाई-बहन हैं। शोभना की निजी जिंदगी भी अक्सर चर्चा में रहती है। उन्होंने शादी नहीं की है और एकल मां के रूप में अपनी बेटी की परवरिश कर रही हैं। साल 2001 में उन्होंने एक बच्ची को गोद लिया था, जिसका नाम अनंता नारायणी रखा। वह अपनी बेटी के साथ निजी जिंदगी को आमतौर पर मीडिया की चकाचौंध से दूर रखती हैं।

शोभना ने अभिनय की शुरुआत बतौर बाल कलाकार की थी। साल 1980 में आई फिल्म 'मंगला नायगी' में उनके अभिनय को सराहना मिली और इसी फिल्म के लिए उन्हें अपना पहला पुरस्कार भी मिला। इसके बाद 1984 में निर्देशक बालचंद्र मेनन की फिल्म 'अप्रैल 18' से उन्होंने मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शुरुआत की।

'राइज एंड फॉल 2' के विनर बने शहजाद पूनावाला, डोनेट करेंगे विनिंग अमाउंट में मिले 35 लाख, शो में किया ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। शहजाद पूनावाला 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 के विजेता बन गए हैं। शो का ये सीजन पिछले सीजन की ही तरह दोस्ती, दुश्मनी से लेकर जीत के पलों तक ड्रामे से भरा रहा। वहीं 6 हफ्तों के संघर्ष, खूब लड़ाई-झगड़े के बाद आखिरकार 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 में शहजाद पूनावाला को विनर घोषित किया गया। उन्होंने ट्रॉफी के साथ-साथ 35 लाख रुपये की राशि अपने नाम की। शो में विनर के तौर पर अपने नाम का ऐलान होने के बाद शहजाद पूनावाला ने एक ऐसा ऐलान किया, जिसे लेकर अब उनकी वाहवाही हो रही है। शहजाद पूनावाला ने स्टेज से ही घोषणा की कि ईनाम में मिले 35



लाख रुपये की राशि वह असम और बिहार के लोगों की भलाई के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर देंगे।

ग्रैंड फिनाले की शुरुआत टॉप 6 फाइनलिस्ट्स की दमदार परफॉरमेंस से हुई। इसके बाद 'फॉर्च्यून फ्लोर पिरामिड' चैलेंज के चलते निहारिका तिवारी फाइनल की रेस से बाहर हो गईं। निहारिका के बाद करण पटेल और स्वरा भास्कर के लिए भी 'टावर लाइट्स' लाल हो गईं और प्रियंका चाहर चौधरी, गौतम गुलाटी और शहजाद पूनावाला ने टॉप 3 में जगह बनाई। इसके बाद वीरेंद्र सहवाग ने विनर के नाम का ऐलान किया और शहजाद पूनावाला का नाम लिया। शहजाद जहां शो के विनर बने तो वहीं प्रियंका चाहर फर्स्ट रनरअप और गौतम गुलाटी दूसरे रनर-अप रहे।

शहजाद पूनावाला ने विनिंग स्पीच में कहा, 'राइज एंड फॉल सीजन 2' जीतना एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। ये सफर मेरे लिए बिलकुल भी आसान नहीं था।

सेहत

जिस तकिए पर रोज चैन की नींद सोते हैं, वही बन सकता है कमजोर इम्यून की वजह, डॉक्टर ने दी चेतावनी

अगर हम तकिया लगाकार न सोएं तो नींद ही नहीं आए। सिर के नीचे तकिया रखने पर चैन की नींद आती है। लेकिन क्या आप जानते हैं यही तकिया आपके इम्यून सिस्टम को कमजोर कर रहा है जिससे आप कई बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। कैंसर हीलर सेंटर के डायरेक्टर और डॉक्टर तरंग कृष्णा बता रहे हैं कि तकिया आपकी सेहत को कैसे नुकसान पहुंचा रहा है और इसे लेकर आपको कौन सी सावधानी बरतनी चाहिए?

जिस तकिया पर सिर रखकर चैन से सो रहे हैं वहीं धीरे धीरे आपके इम्यून सिस्टम को कमजोर कर रहा है। पिलो कवर रोजाना डस्ट एब्सॉर्ब करता है जिससे बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं और यह बैक्टीरिया अंदर ही रहते हैं।

जब आप छह से आठ घंटे तकिए पर सिर रखकर सोते हैं और सांस ले रहे होते हैं तब यही डस्ट को इनहेल कर रहे होते हैं। शुरुआत में तो आपका इम्यून सिस्टम इससे फाइट करता है लेकिन सालों तक लगातार इस तरह के पिलो कवर के इस्तेमाल से शरीर में इंफेक्शन होने का खतरा तेजी से बढ़ता है और फिर उस वजह से आप इम्यून



कमजोर होता है जिससे शरीर में एलर्जी, सर्दी जुकाम की समस्या तेजी से बढ़ती है।

गंदे तकिया से कौन सी समस्याएं हो सकती हैं?

अगर तकिया के हाइजीन का ख्याल न रखा जाए तो उसकी वजह से त्वचा पर मुंहासे, सर्दी खांसी, इम्यून का कमजोर हुआ, सांस लेने में दिक्कत और एलर्जी जैसी सेहत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

कब बदलना चाहिए तकिया?

डॉक्टर तरंग कहते हैं कि तकिया को सालों साल चलाने की बजाय हर छह महीने में बदल देना चाहिए।

जिस दिन आप तकिया बदलें अपने फोन में रिमाइंडर लगाएं कि छह महीने बाद आपको तकिया बदलना है। अगर हो सके तो रोजाना तकिया को वैक्यूम करें। अगर वैक्यूम नहीं कर सकते तो जब भी अपना बेडशीट दो या तीन दिन में बदल रहे हैं तब उसके साथ तकिया का कवर भी बदलें और कोशिश करें कि हफ्ते में दो बार इन्हें ज़रूर बदलें।

आंतों के लिए फायदेमंद हैं किशमिश, जानिए क्यों रोजाना खाने की सलाह देते हैं डॉक्टर

मेवा में खट्टे मीठे स्वाद वाली किशमिश बड़ों और बच्चों सभी को पसंद आती हैं। ज्यादातर घरों में किशमिश मिल जाएगी। मिठाई से लेकर नमकीन और कई तरह के व्यंजन में किशमिश का इस्तेमाल किया जाता है।

किशमिश सूखे अंगूर से बनती हैं और इसमें नेचुरल शुगर काफी ज्यादा होती है। हालांकि किशमिश के फायदे अनेक हैं। किशमिश सिर्फ स्वाद तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये पोषक तत्वों का भंडार हैं।

ISIC मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और हेपेटोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वत्स्या ने 26 जून को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया है कि किशमिश कैसे आंत के लिए फायदेमंद हैं और हर दिन किशमिश क्यों खानी चाहिए।

रोजाना किशमिश खाने का सबसे बड़ा फायदा है कि यह मल त्याग में मददगार होती हैं। ये प्लांट बेस्ड फूड फाइबर से भरपूर होता है, जो आंतों का पानी बनाए रखने में मदद करता है और खाने को आंतों से आसानी से गुजरने में मदद करता है।

किशमिश में मौजूद रासायनिक यौगिक सॉर्बिटोल इस प्रक्रिया में सहायक होता है। यह एक प्रकार का कार्बोहाइड्रेट है जो शुगर अल्कोहल के अंदर आता है और कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। अगर लोग रोजाना नियमित रूप से किशमिश खाते हैं तो कब्ज से पीड़ित आधी आबादी ठीक हो जाएगी।

किशमिश आंतों में पानी का संतुलन नेचुरली सुधारती हैं। किशमिश में मौजूद सॉर्बिटोल आंतों को मल में नमी बनाए रखने का संकेत देता है। किशमिश में मौजूद फाइबर भी मल को नरम और आसानी से निकलने वाला बनाता है। इसलिए रोजाना किशमिश खाने से मल त्याग में आसानी होती है।

फाइबर कितने तरह का होता है?

कभी हमारी देसी थाली में चना था, जौ-बाजरा था, दालें थीं, मोटे अनाज थे। मतलब फाइबर अपने आप आ जाता था, लेकिन आज प्लेट में मैदा, चीनी, पैकेट वाले स्नैक्स और प्रोसेस्ड फूड बढ़ गए हैं। नतीजा पेट फूलना, सुस्ती, कब्ज और मेटाबॉलिक बीमारियां जकड़ रही हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर नया ट्रेंड चल पड़ा है 'फाइबर-मैक्सिंग' यानी थाली में फाइबर को मैक्सिमम करना। डॉक्टर्स और डाइटीशियन भी कह रहे हैं कि शरीर को रोज करीब 30 से 40 ग्राम फाइबर चाहिए, लेकिन ज्यादातर भारतीय मुश्किल से करीब 15 ग्राम तक ही पहुंच पाते हैं।

घुलनशील फाइबर- खाने में रेशे वाली चीजें यानी फाइबर, जो पेट का सबसे अच्छा दोस्त है वो दो तरह का होता है। पहला Soluble fiber यानि घुलनशील फाइबर जो पानी में घुलकर जेल जैसा बनता है। ये पेट को देर तक भरा रखता है, शुगर को अचानक बढ़ने से रोकता है और खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है।

अघुलनशील फाइबर- इसे पेट की नेचुरल झाड़ समझिए। ये कब्ज से बचाता है और आंतों को साफ रखने में मदद करता है। साबुत अनाज, गेहूं का चोकर, हरी पत्तेदार सब्जियां, फल और छिलके वाली सब्जियां इसमें काम आती हैं। फाइबर सिर्फ पेट का मामला नहीं है। ये दिल की सुरक्षा करता है, ब्लॉकेज और हाई कोलेस्ट्रॉल का रिस्क कम करता है। ब्लड शुगर को धीरे-धीरे रिलीज करता है, जिससे पैंक्रियाज पर इंसुलिन का दबाव कम पड़ता है।

फाइबर क्या काम करता है?

सबसे बड़ी बात फाइबर आंतों के अच्छे बैक्टीरिया का खाना है। ये गट माइक्रोबायोम दिमाग तक पॉजिटिव सिग्नल भेजता है। तनाव, बेचैनी, मूड और इम्युनिटी तक पर असर डालता है। वजन कंट्रोल में भी मदद करता है, क्योंकि इसे खाकर देर तक पेट भरा रहता है। लेकिन 'फाइबर-मैक्सिंग' का मतलब अति नहीं है। अचानक बहुत ज्यादा फाइबर खाने से गैस, पेट फूलना, मरोड़ और भारीपन हो सकता है। पानी कम पीने पर कब्ज भी बढ़ सकता है।

शरीर में प्रोटीन की कमी दूर कर सकती है कुलथी की दाल, डाइट में शामिल करने से मिलेंगे ये 5 बड़े फायदे

कुलथी की दाल पोषक तत्वों का भंडार मानी जाती है। आयुर्वेद के अनुसार, यह दाल शरीर में कफ और वात को कम करती है और शरीर में आसानी से पच जाती है। सर्टिफ़ाइड आयुर्वेदिक डॉक्टर रूपाली जैन बेदारकर कहती हैं कि यह दाल उन लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है जो शरीर में प्रोटीन की कमी से जूझ रहे हैं। अगर आप शाकाहारी हैं और ऐसे फूड्स की तलाश में हैं जो प्रोटीन से भरपूर हो तो आप कुलथी की दाल को अपनी डाइट में ज़रूर शामिल करें। हालांकि, इसमें प्रोटीन के साथ फाइबर, आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। चलिए जानते हैं इस दाल को डाइट में शामिल करने से कौन कौन से फायदे मिल सकते हैं?

कुलथी दाल खाने के फायदे

किडनी स्टोन में फायदेमंदः अगर आपको किडनी स्टोन की समस्या है तो कुलथी दाल आपके लिए फायदेमंद है। इसमें मौजूद गुण पथरी को तोड़ने में मदद करते हैं। यह पेशाब को बढ़ाकर शरीर से स्टोन को बाहर निकालने में



मददगार है।

वजन कम करने में फायदेमंदः कुलथी दाल का सेवन फैट लॉस कम करने में मदद करता है। यह हाई प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होती है, जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराती है। कुलथी प्रोटीन से भरपूर होती है इसलिए यह दाल आपके मसल्स को मजबूत बनाने में मदद करती है। इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

सर्दी और कफ में फायदेमंदः अगर आपको बार बार सर्दी होती है। नाक में बहुत ज़्यादा कफ रहता है और आप सांस नहीं ले पाते हैं। अगर आपको साइनस की परेशान है या सिर में बहुत ज़्यादा दर्द रहता है तो आप कुलथी की दाल का सेवन ज़रूर करें। कुलथी की दाल का सेवन आप काढ़ा के रूप में कर सकते हैं।

पाचन में सहायकः जिन लोगों को खाना अच्छी तरह से नहीं पचता है। पेट में गैस बना रहता है या लगातार डकारें आती हैं तो उन लोगों को कुलथी की दाल को अपनी डाइट में ज़रूर शामिल करना चाहिए। फाइबर से भरपूर होने की वजह से यह दाल आपके पाचन को बेहतर करती है।

जोड़ों के दर्द और सूजन में फायदेमंदः कुलथी में मौजूद कैल्शियम और फास्फोरस हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक है। इसके साथ यह दाल एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लामेटरी गुणों से भरपूर होती है जो शरीर में सूजन को कम करने में फायदेमंद होते हैं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शनिवार 07 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम के तहत बाल संदर्भ शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में अति गंभीर कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम के तहत छुरिया विकासखंड के ग्राम कुमरदा में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिन्हांकित एसएएम एवं एमएएम बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां प्रदान की गई। साथ ही बच्चों के अभिभावकों को पोषण परामर्श दिया गया। जन औषधि केंद्र के माध्यम से दवाइयां उपलब्ध कराई गई। स्वस्थ लइका कार्यक्रम के तहत प्रत्येक 3 माह में शिविर के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जा रही है। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं त्वरित सुधार के लिए स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, एम्स रायपुर एवं यूनिसेफ रायपुर द्वारा लगातार तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। शिविर में महिला बाल विकास विभाग से पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य विभाग से मेडिकल ऑफिसर, एएनएम, फार्मासिस्ट उपस्थित थे।

थानों में जब्त किये गये मादक पदार्थो को 23 नवम्बर को किया जाएगा नष्ट

कोरबा। पुलिस अधीक्षक कोरबा के अन्तर्गत आने वाले थानों में जब्त किये गये मादक पदार्थ के नष्टीकरण हेतु जिला स्तरीय औषधि व्ययन समिति गठित की गई है।

एनडीपीएस के प्रकरणों में नष्टीकरण हेतु समस्त कार्यवाही पूर्ण कर थाना के द्वारा नष्टीकरण योग्य प्रकरणों की सूची तथा मूल प्रपत्र समिति को प्रस्तुत की गई है। जिसके अन्तर्गत नष्टीकरण योग्य 29 प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थ शामिल है। समिति द्वारा नष्टीकरण योग्य मादक पदार्थों को 23 नवम्बर को प्रातः 11 बजे बाल्को पावर प्लांट के भट्ठी में विधिवत जलाकर नष्टीकरण किये जाने का निर्णय लिया गया है।

लगातार तीसरे साल बस्तर ओलंपिक को लेकर उत्साह

6 लाख से ज्यादा खिलाड़ी मैदान में उतरने को तैयार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किए जा रहे बस्तर ओलंपिक को लेकर पूरे बस्तर संभाग में खासा उत्साह है। इस बार छह लाख से अधिक खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेने के लिए अपना पंजीयन कराया है। खास बात यह है कि खेल के मैदान में उतरने के उत्साह में बस्तर की बेटियां और महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। कुल 6 लाख 492 पंजीकृत खिलाड़ियों में 3 लाख 83 हजार 094 महिलाएं और 2 लाख 18 हजार 398 पुरुष हैं।

बस्तर संभाग के सातों जिलों से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी ने आयोजन को व्यापक स्वरूप दिया है। विकासखंड स्तर से शुरू होने वाली इन प्रतियोगिताओं के विजेता जिला और फिर संभाग स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा दिखाएंगे। विकासखंड स्तरीय मुकाबले 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक, जिला स्तरीय 16 नवम्बर से 25 नवम्बर तक और संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 7 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक प्रस्तावित हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने बस्तर ओलंपिक के तीसरे संस्करण में रिकॉर्ड संख्या में पंजीयन के लिए बस्तरवासियों के उत्साह की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इसके पिछले दोनों आयोजनों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। शासन और



लोगों के बीच प्रत्यक्ष संबंध मजबूत करने, क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें खिलाड़ी के रूप में तैयार करने लगातार तीसरे वर्ष बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है।

बस्तर ओलंपिक के लिए 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक खिलाड़ियों के पंजीयन किए गए हैं। इस दौरान संभाग के सातों जिलों से कुल 6 लाख 492 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों से 1 लाख 63 हजार 696 अधिक है। जिलावार आंकड़ों में कांकेर 1 लाख 23 हजार 216 पंजीयन के साथ सबसे आगे है। बस्तर जिले में 1 लाख 4 हजार 841, कोण्डागांव में 85 हजार 584, सुकमा में 80 हजार 313, दंतेवाड़ा में 80 हजार 175, नारायणपुर में 63 हजार 506 और बीजापुर में 62 हजार 857 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। बस्तर ओलंपिक को लेकर बस्तरवासियों, खासकर महिलाओं और युवाओं में अच्छा उत्साह है। बस्तर ओलंपिक में विकासखंड स्तर के विजेता जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे, जबकि जिला स्तर के विजेताओं को संभाग स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक जिले से 410 विजेता खिलाड़ी संभाग स्तरीय आयोजन में प्रतिनिधित्व करेंगे। हॉकी और वेटलिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं सीधे जिला स्तर पर आयोजित की जाएंगी।

प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग के अंतर्गत 14 से 17 वर्ष के बालक-बालिकाएं और सीनियर वर्ग में बिना किसी आयु बंधन के महिला एवं पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। कुल 11 खेल विधाओं में मुकाबले होंगे। इनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और रस्साकशी शामिल हैं।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन से किसान अमरनाथ साहू की खेती को मिली नई दिशा

राजनांदगांव । राष्ट्रीय बागवानी मिशन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी खेती को अधिक उन्नत एवं लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन से लाभान्वित होकर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम देवादा निवासी किसान अमरनाथ साहू ने खेती को नई दिशा दी है।

किसान अमरनाथ साहू परंपरागत रूप से धान की खेती करते थे। उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों को अपनाकर विभिन्न प्रकार की सब्जियों, भाजी, फूलों एवं फलों की खेती कर रहे हैं। कृषक



अमरनाथ साहू को राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत मल्चिंग तकनीक का लाभ प्रदान किया गया है। मल्चिंग के उपयोग से मिट्टी में नमी का संरक्षण होता है, खरपतवारों की समस्या कम होती है तथा फसलों की बेहतर देखभाल में सहायता मिलती है। इससे सिंचाई के पानी के बेहतर उपयोग और फसल प्रबंधन में भी सुविधा होती है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के माध्यम से आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को परंपरागत खेती से आगे बढ़कर उद्यानिकी फसलों की ओर प्रोत्साहित कर रही है।

किसान अमरनाथ साहू के बताया कि उनके पास कुल 10 एकड़ कृषि भूमि है। पहले वह परंपरागत रूप से धान की खेती करते थे, लेकिन उद्यानिकी फसलों की संभावनाओं को देखते हुए खेती में विविधीकरण का निर्णय लिया। वर्तमान में लगभग 7.50 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की सब्जियों व फूलों तथा 2.50 एकड़ क्षेत्र में केले की खेती कर रहे हैं। खेतों में बैंगन, मिर्च, गोभी, करेला, चिचिंडा, भिंडी, बरबट्टी, सेम, खीरा, कद्दू, लौकी, मूली, गेंदाफूल सहित विभिन्न प्रकार की भाजी की फसल ले रहे है। विभिन्न फसलों की खेती से मौसम एवं बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन करने के अवसर मिल रही है। उद्यानिकी फसलों के उत्पादन करने के साथ स्थानीय बाजार में विक्रय भी करते है। कृषक अमरनाथ साहू ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत मिले आधुनिक उद्यानिकी तकनीकी मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया है।

संभाग स्तरीय नाटक व लोक नृत्य प्रतियोगिता में कोरिया और सरगुजा जिले ने मारी बाजी

अम्बिकापुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़ रायपुर के तत्वावधान में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत संभाग स्तरीय नाटक (रोल प्ले) एवं लोक नृत्य (फोक डांस) प्रतियोगिता का आयोजन 4 नवंबर 2026 को शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बिकापुर में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य शालेय विद्यार्थियों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जीवन कौशल का विकास करना था।

प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग के तीन जिलों से चयनित छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नाटक विधा में कुल 18 तथा लोक नृत्य विधा में 14 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने जनसंख्या शिक्षा के विभिन्न विशिष्ट विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जीवन कौशल से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए।

प्रतियोगिता के परिणामों में नाटक (रोल प्ले) विधा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरपुर, जिला कोरिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं लोक नृत्य (फोक डांस) विधा में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, ब्रम्हपारा, जिला सरगुजा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम में संयुक्त संचालक डॉ. राजेश कुमार सिंह,सहायक संचालक अनिल अग्रवाल, शशिकांत सिंह, प्रवीण सिन्हा एवं रविशंकर तिवारी, प्राचार्य एलपी गुप्ता एवं एडवर्ड टोप्पो तथा व्याख्याता शैलेन्द्र सेंगर सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रचनात्मकता की सराहना, बोर्ड परीक्षा में सफलता का मंत्र, शिक्षा अधिकारी ने परखा विद्यार्थियों का ज्ञान

कोरिया। कलेक्टर रोक्तिमा यादव के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार गुप्ता ने बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगर, स्वामी आत्मानंद विद्यालय चरचा और स्वामी आत्मानंद विद्यालय महलपारा का शैक्षणिक निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षण गतिविधियों का जायजा लेने के साथ विद्यार्थियों से संवाद कर आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा तैयार पेपर क्राफ्ट की प्रदर्शनी ने उनका ध्यान खींचा। विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल की सराहना करते हुए गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के साथ रचनात्मकता और व्यावहारिक कौशल का विकास भी आवश्यक है। ऐसी गतिविधियां बच्चों की प्रतिभा निखारने और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से विषयवार प्रश्न पूछकर उनकी समझ और शैक्षणिक तैयारी का आकलन किया। उन्होंने स्वयं कक्षा लेकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का भी जायजा लिया।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी के संबंध में गुप्ता ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग और निरंतर अभ्यास से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सुबह-शाम पढ़ाई करने, कठिन विषयों पर विशेष ध्यान देने तथा शिक्षकों से अपनी शंकाओं का समाधान कराने की सलाह दी। विद्यार्थियों ने पूरी लगन से तैयारी कर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने और विद्यालय तथा माता-पिता का नाम रोशन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सा पॉलीटेक्निक राजनांदगांव में विद्यार्थियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

राजनांदगांव। पशु चिकित्सा पॉलीटेक्निक राजनांदगांव में विद्यार्थियों को ईमानदारी, नैतिकता एवं पारदर्शिता के प्रति जागरूक करने तथा भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सत्यनिष्ठा शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं संस्थान के अधिकारी-कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ लेकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प



लिया। कार्यक्रम का आयोजन सहायक प्राध्यापिका डॉ. श्वेता जैन के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि भ्रष्टाचार देश की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक प्रगति में एक बड़ी बाधा है। भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार के उन्मूलन में सहयोग देने, कानून के शासन का पालन करने तथा अपने सभी कार्यों को पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपादित करने की शपथ ली। साथ ही न रिश्वत लेने और न ही रिश्वत देने तथा सार्वजनिक हित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की जानकारी संबंधित एजेंसी को देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में शिक्षण सहायक डॉ. विनिता वासनिक, डॉ. सरिता सहित संस्थान के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे तथा उन्होंने भी सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण की।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला स्तरीय क्राइम मीटिंग संपन्न

आगामी दीपावली पर्व पर सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं व्यवस्थित रखने के दिए गए विशेष निर्देश

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिला स्तरीय क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अखिलेश कौशिक, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री आशीष शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंजू कुमारी, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया श्री भूपत सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्री प्रशांत देवांगन, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती अपूर्वा क्षत्रिय एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती प्रमिला मंडावी सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे।

आगामी दीपावली पर्व को विशेष ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। संवेदनशील क्षेत्रों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले



स्थानों एवं प्रमुख मार्गों पर प्रभावी पुलिस निगरानी, नियमित पेट्रोलिंग एवं आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। असामाजिक तत्वों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए गए।

यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर

दीपावली पर्व के दौरान बाजारों एवं प्रमुख मार्गों पर बढ़ने वाली भीड़ और वाहनों के दबाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। प्रमुख चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात पुलिस की प्रभावी तैनाती, सुचारु आवागमन, पार्किंग व्यवस्था का नियमन तथा सड़क पर अनावश्यक जाम की स्थिति निर्मित नहीं होने देने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने तथा आम नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने जिले में अवैध मादक पदार्थों, अवैध शराब, गाँजा एवं नशीली दवाइयों की बिक्री और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष सतर्कता एवं निगरानी रखने के निर्देश दिए। ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही निरंतर जारी रखने तथा अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जुआ, सट्टा एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी नियंत्रण रखने को कहा गया।

बैठक में जिले के समस्त थानों एवं चौकियों में लंबित अपराधों, चालानों, मर्ग प्रकरणों, सदरी एवं लोकल शिकायतों, समंस एवं वारंट तथा गुम इंसान प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने, विवेचना में गुणवत्ता बनाए रखने, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा न्यायालयीन कार्यवाही से संबंधित दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त जिले की कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति एवं अपराध नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। पूर्व में आयोजित क्राइम मीटिंग में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन पर भी चर्चा की गई।

बैठक में ICJS सिस्टम, Medlepar, e-Sakshya सहित अन्य डिजिटल पुलिसिंग प्रणालियों में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को इन प्रणालियों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने तथा सभी आवश्यक प्रविष्टियों एवं लंबित तकनीकी कार्यों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव ने सभी अधिकारियों एवं थाना-चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया कि आगामी दीपावली पर्व के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा, शांति एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। अपराध नियंत्रण, अवैध गतिविधियों पर अंकुश तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण में सभी अधिकारी सक्रियता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

अब मोबाइल एप से मिलेगा खाद, टोकन और क्यूआर कोड से होगा उर्वरक वितरण

एफएफएस एप पर किसान दर्ज करेंगे भूमि और बोई गई फसल का विवरण

किसान अपनी सुविधा से सहकारी समिति या निजी विक्रेता का कर सकेंगे चयन

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरक पारदर्शी, सुगम और निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को मोबाइल एप से जनरेट टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद का वितरण किया जाएगा। जिले के सभी विकासखंडों में इस प्रणाली के तहत उर्वरक का उठाव प्रारंभ हो गया है।

नई व्यवस्था के अनुसार किसानों को एफएफएस मोबाइल एप में अपनी कृषि भूमि का रकबा और बोई गई फसल का विवरण दर्ज करना होगा। इसके बाद आवश्यक उर्वरक की मात्रा और विक्रेता का चयन कर टोकन एवं क्यूआर कोड के



माध्यम से खाद प्राप्त कर सकेंगे। किसान अपनी सुविधा के अनुसार नजदीकी सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक विक्रेता से खाद ले सकेंगे।

इस डिजिटल व्यवस्था से उर्वरक की मांग, उपलब्धता, निर्धारित दर पर बिक्री और वितरण का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन संधारित होगा। इससे किसानों को खाद प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अनियमित वितरण पर प्रभावी नियंत्रण करने में भी मदद मिलेगी। उप संचालक कृषि ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को उनकी फसलों की आवश्यकता के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना तथा खाद वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है।

:- संपादकीय :-

गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया

अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी! इजराइल में फिर बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना बनती दिख रही है। हालांकि ताजा चुनाव में किसी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, लेकिन मौजूदा सियासी समीकरणों के बीच ऐसा लगता है कि नेतन्याहू की स्थिति मजबूत है। चुनाव रुझानों के मुताबिक 120 सदस्यीय केनेसेट (संसद) में नेतन्याहू की अपनी पार्टी लिकुड को तो महज 28 सीटें ही मिलीं, लेकिन धुर-दक्षिणपंथी ऐसे 57 सांसद जीत कर आए हैं, जिनका समर्थन वर्तमान प्रधानमंत्री को मिल सकता है। नतीजे सामने आने के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में नेतन्याहू ने दावा किया कि 'दक्षिणपंथी पार्टियों को निर्णायक जीतइ मिली है।इस आधार पर उन्होंने आह्वान किया 'राष्ट्रीय दक्षिणपंथी सरकारइ का गठन होना चाहिए। उचित ही इस अपील को उन छोटे दलों को अपनी ओर खींचने का दांव माना गया है, जो यहूदीवादी (मजहबी) एजेंडे को लेकर मतदाताओं के बीच गए थे। वैसे, जिन मुद्दों और सवालों के बीच यह चुनाव हुआ, उनके मद्देनजर यह कहा जाएगा कि नेतन्याहू इजराइली राजनीति में अपने प्रभाव का फिर मुजाहिरा करने में कामयाब रहे हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों, प्रशासनिक अकुशलता की शिकायतों, और सात अक्टूबर 2023 के हमास के हमलों के दौरान सरकारी नाकामी के तमाम कथानकों के बीच लिकुड का सबसे बड़ी पार्टी बने रहना संकेत है कि इजराइली आवाम के एक बड़े हिस्से को आज भी नेतन्याहू का कोई विकल्प नजर नहीं आता।इस सिलसिले में अमेरिकी समर्थन भी एक बड़ा पहलू है, जिसकी इजराइली सियासत में हमेशा निर्णायक किस्म की भूमिका रही है। इस चुनाव के दौरान दो बार अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुलेआम नेतन्याहू के लिए अपने समर्थन का एलान किया। इससे संदेश गया कि अमेरिका का बेहिचक समर्थन बनाए रखने के लिए नेतन्याहू का नेतृत्व जरूरी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि युद्ध के मौजूदा माहौल में इस पहलू ने अनेक मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित किया होगा। अब इजराइल में गठबंधन बनाने की ऊबाऊ प्रक्रिया शुरू होगी। विपक्षी नेता पूर्व सेनाध्यक्ष गादी आसेनकोट ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसलिए कुछ दिन रहस्य बना रहेगा, लेकिन बाजी आखिरकार शायद नेतन्याहू के हाथ ही रहेगी!

भारत के बाजार में गिरावट के कारण और समाधान

हरिशंकर व्यास

लगातार कमाई में वृद्धि के वादे के बिना, भारतीय शेयर विदेशी निवेशकों के लिए अनाकर्षक बने रहेंगे, जैसा कि बर्नस्टीन रिसर्च के विश्लेषकों वेणुगोपाल गारे और निखिल अरेला ने कुछ सप्ताह पहले ग्राहकों को लिखे एक नोट में कहा था। उन्होंने लिखा कि यदि ए.आई. का व्यापार कमजोर होता है या तेल की कीमतें गिरती हैं, तो विदेशी पूंजी अस्थायी रूप से लौट सकती है। लेकिन निरंतर प्रवाह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या भारत प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और वैश्विक प्रासंगिकता के नए इंजन बना सकता है? इस जोड़ी ने तर्क दिया कि अंतरिक्ष, रक्षा, सैमीकंडक्टर और डीप-टैक जैसे क्षेत्रों में उभरने वाली नई फर्में वर्तमान में बड़े पैमाने पर वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने के लिए बहुत छोटी हैं।दूसरा सिद्धांत भू-राजनीतिक तनावों पर जोर देता है, जिन्होंने कमोडिटी की कीमतों को बढ़ा दिया है। एक बड़े कमोडिटी आयातक के रूप में, भारत पर बाकियों की तुलना में अधिक असर पड़ा है।



ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर में सुधार के बावजूद भारतीय शेयर आज उभरते बाजारों की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली परिसंपत्तियों में शुमार हैं। बैंचमार्क निफ्टी 50 इंडैक्स इस साल 12 प्रतिशत गिरा है (डॉलर के संदर्भ में 17 प्रतिशत)। प्रमुख उभरते बाजारों में केवल इंडोनेशियाई शेयरों का प्रदर्शन इससे भी बदतर रहा है, जहां मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनैशनल (एम.एस.सी.आई.) द्वारा यह चेतावनी दिए जाने के बाद कि इंडोनेशिया अपना उभरते बाजार का दर्जा खो सकता है, बैंचमार्क आई.डी.एक्स. कंपोजिट इंडैक्स इस साल 42 प्रतिशत गिरा है (डॉलर के संदर्भ में 46 प्रतिशत)। भारतीय बाजारों में यह गिरावट आंशिक रूप से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफ.पी.आई.) द्वारा बड़े पैमाने पर की गई बिकवाली के कारण है, जिन्होंने इस साल अब तक भारतीय इक्विटी बाजारों से लगभग 3 ट्रिलियन रुपए निकाले हैं, जो कि एक दशक का उच्चतम स्तर है। इस पूंजी निकासी ने रुपए को कमजोर किया है और परिणामस्वरूप भारतीय इक्विटी से विदेशी निवेशकों को मिलने वाले डॉलर रिटर्न को कम कर दिया है।इस मंदी के लिए कई प्रतिस्पर्धी व्याख्याएं मौजूद हैं। एक सिद्धांत देश में आ?टफिशियल इंटैलिजैंस (ए.आई.) कंपनियों की कमी की ओर इशारा करता है। चूंकि निवेशकों ने ए.आई. फर्मों और ए.आई. से जुड़े क्षेत्रों में भारी मात्रा में डॉलर लगाए हैं, इसलिए भारत पीछे छूट गया है। इस सिद्धांत के अनुसार, जैसे ही ए.आई. से जुड़ा व्यापार धीमा पड़ेगा, भारत को लाभ हो सकता है। दूसरा सिद्धांत भू-राजनीतिक तनावों पर जोर देता है, जिन्होंने कमोडिटी की कीमतों को बढ़ा दिया है। एक बड़े कमोडिटी आयातक के रूप में, भारत पर बाकियों की तुलना में अधिक असर पड़ा है। इससे संबंधित, अमरीका में बढ़ती मुद्रास्फीति और बॉन्ड यील्ड ने अमरीकी और उभरते बाजार की परिसंपत्तियों के बीच के अंतर को कम कर दिया है, जिससे उभरते बाजारों में आने वाले फंड का प्रवाह कमजोर हुआ है। इस सिद्धांत के समर्थकों का तर्क है कि जैसे ही भू-राजनीतिक तनाव शांत होंगे और वैश्विक कमोडिटी चक्र ठंडा पड़ेगा, भारत फिर से निवेशकों की पसंद बन जाएगा।

तीसरा सिद्धांत बड़ी भारतीय कंपनियों में नवाचार (इनोवेशन) की कमी पर जोर देता है। लगातार कमाई में वृद्धि के वादे के बिना, भारतीय शेयर विदेशी निवेशकों के लिए अनाकर्षक बने रहेंगे, जैसा कि बर्नस्टीन रिसर्च के विश्लेषकों वेणुगोपाल गारे और निखिल अरेला ने कुछ सप्ताह पहले ग्राहकों को लिखे एक नोट में कहा था। उन्होंने लिखा कि यदि ए.आई. का व्यापार कमजोर होता है या तेल की कीमतें गिरती हैं, तो विदेशी पूंजी अस्थायी रूप से लौट सकती है। लेकिन निरंतर प्रवाह इस बात पर निर्भर करेगा कि ह्यक्या भारत प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और वैश्विक प्रासंगिकता के नए इंजन बना सकता है? इस जोड़ी ने तर्क दिया कि अंतरिक्ष, रक्षा, सैमीकंडक्टर और डीप-टैक जैसे क्षेत्रों में उभरने वाली नई फर्में वर्तमान में बड़े पैमाने पर वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने के लिए बहुत छोटी हैं।इनमें से कोई भी व्याख्या यह संकेत नहीं देती कि कैपिटल गेन्स टैक्स में बदलाव विदेशी फंडों को वापस ला सकते हैं। निश्चित रूप से, हमारे कैपिटल टैक्स ढांचे में विकृतियां हैं और इनका समाधान किया जाना चाहिए। कैपिटल गेन्स टैक्स को तर्कसंगत बनाने से विदेशी और घरेलू निवेशकों को अपने लिए अधिक उपयुक्त परिसंपत्तियां चुनने में मदद मिलेगी। लेकिन वे पूंजी के बहिर्वाह को रोकने के लिए कोई त्वरित समाधान नहीं है। वर्तमान मंदी में शेयरों का पुनर्निर्धारण (रीप्राइसिंग) अपने आप में भारतीय बाजारों में फिर से रुचि जगा सकता है। यह ध्यान देने योग्य है कि विदेशी निवेशकों ने हाल के दिनों में आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आई.पी.ओज) में भारी निवेश किया है, भले ही उन्होंने सैकेंडरी मार्केट में अत्यधिक महंगे शेयरों से परहेज किया हो। नीति निमार्ताओं को ऐसे कठिन सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो देश में उच्च-मूल्य वाली, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी फर्मों के विकास को गति दे सकें। इन फर्मों को अपने संसाधनों को नौकरशाही से निपटने में खर्च करने की बजाय इनोवेटिव उत्पाद विकसित करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए।

राशिफल

मेष राशि: आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढि?ा रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

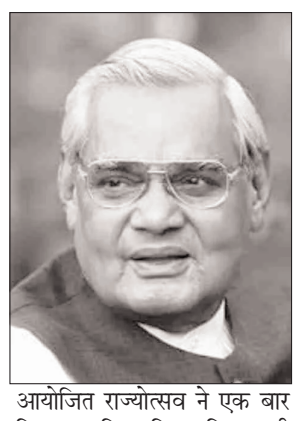
कुम्भ राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, बस थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। गवर्नमेंट सेक्टर से जुड़े लोगों को उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे वह अपना कोई बड़ा प्रोजेक्ट पूरा करने में सफल होंगे। आपका वैवाहिक जीवन खूबसूरत रहेगा।

नजरिया | राजेश अग्रवाल

अटल जी के सपनों से विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प तक, संस्कृति, स्वाभिमान और विकास की गौरवशाली यात्रा

छत्तीसगढ़ की माटी में इतिहास की गहराई है, संस्कृति की मिठास है, परंपराओं की सुगंध है और भविष्य की असीम संभावनाएं हैं। यहां के लोकगीतों में जीवन का संगीत है, लोकनृत्यों में उत्साह की उमंग है और जनजातीय परंपराओं में प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का अद्भुत दर्शन समाहित है। यह वह धरती है, जहां श्रम को सम्मान, प्रकृति को आराधना और संस्कृति को जीवन का आधार माना जाता है। छत्तीसगढ़ केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि अपनी विशिष्ट भाषा, लोकजीवन, परंपराओं और गौरवशाली विरासत से निर्मित एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान है।आज जब हम छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव के भव्य समापन के साक्षी बने हैं, तब मन गर्व, आत्मीयता और कृतज्ञता से भर उठता है। यह उत्सव केवल रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समारोहों का आयोजन नहीं था, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा, अस्मिता, स्वाभिमान और विकास यात्रा का जीवंत उत्सव बनकर सामने आया। नवा रायपुर में



आयोजित राज्योत्सव ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि हमारी सांस्कृतिक विरासत हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और यही शक्ति विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की प्रेरणा भी है।छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा का स्मरण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के उल्लेख के बिना अधूरा है। उनके नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। यह ऐतिहासिक निर्णय इस अंचल की वर्षों पुरानी आकांक्षाओं, सांस्कृतिक पहचान और विकास की अपेक्षाओं को साकार करने वाला था।अटल जी ने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान, यहां की जनभावनाओं और विकास की संभावनाओं को समझते हुए अलग राज्य के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। उनका यह निर्णय छत्तीसगढ़ की जनता के लिए एक ऐतिहासिक सौगात बना। आज राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर हम अटल जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को अपनी नियति स्वयं गढ? और विकास की नई इबारत लिखने का अवसर प्रदान किया।अटल जी ने जिस छत्तीसगढ़ की आधारशिला रखी थी, उसे समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राज्य के रूप में स्थापित करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। राज्योत्सव का प्रत्येक आयोजन हमें उनके इस ऐतिहासिक योगदान की याद दिलाता है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसमें छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्राकृतिक संसाधनों, कृषि संपदा, वन संपदा, खनिज संपदा, सांस्कृतिक विविधता और परिश्रमी मानव संसाधन से समृद्ध हमारा प्रदेश विकास की व्यापक संभावनाओं से परिपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत के संरक्षण और विकास को एक-दूसरे का पूरक मानते हुए आगे बढ़? की सोच को नई दिशा मिली है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी अपनी लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक स्थलों के संरक्षण के साथ आधुनिक विकास को गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं।हमारा विश्वास है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल भौतिक अधोसंरचना का विस्तार नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है। हमारी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे, गांव समृद्ध हों, किसान खुशहाल हों, महिलाएं सशक्त बनें और युवाओं को आगे बढ़? के अवसर मिलें, यही विकसित छत्तीसगढ़ की हमारी परिकल्पना है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जनकल्याणकारी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में लोककला, लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, पुरातात्विक धरोहरों और पर्यटन स्थलों का संरक्षण एवं संवर्धन महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

विचार

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा



रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हींग-फिटकरी के बिना व्यंग्य के रंग

आपके इस प्रश्न का कि आपको व्यंग्य लिखने के लिए क्या प्रेरित करता है, जवाब यह है कि हमें छपना और पुरस्कार एवं सम्मान पाना ही लिखने के लिए प्रेरित करता है।

मेरे एक मित्र हैं। ये सकारण मित्र हैं। मेरा इनसे काम पड़ता है, अतः मजबूरी में इन्हें मित्र कहना पड़ रहा है।

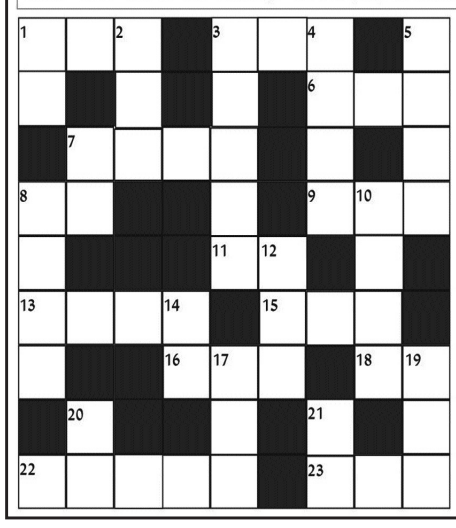
मैं बिना काम के लोगों से मित्रता करने में अपना कीमती वक्त जाया नहीं करता। काम निकलते ही मित्रता को तिलांजलि दे देता हूं। इस मामले में घनघोर प्रगतिशील हूं।तो मैं जिन संपादक मित्र की बात कर रहा था, उन्होंने आज पता नहीं क्यों पूछा कि आप क्या देखकर, क्या अनुभव करके और क्या सोचकर व्यंग्य लिखते हैं? वह क्या चीज है, जो आपको व्यंग्य लिखने के लिए प्रेरित करती है? मैंने कहा, मित्रवर, मुझे तो आपके ये सारे सवाल किसी अजायबघर से अभी-अभी निकले हुए लग रहे हैं और इसीलिए कुछ बदहवास से भी। भला व्यंग्य लिखने के लिए कुछ देखने, समझने या अनुभव करने की क्या जरूरत है? बंधु, देखने के लिए खुद की आंखें चाहिए, जो मेरे पास अरसे से नहीं हैं। सफल व्यंग्यकार बनने का विचार मन में आते ही मैंने अपनी आंखें सरकारी खजाने में जमा कर दी थीं। वहां से इनके बदले एक चश्मा मिला। उसी के सहारे देखता हूं और फिर डंके की चोट पर कहता हूं, ह्यमैं कहता आंखन देखी।वैसे भी मित्र, आजकल लिखने से पहले देखने के लिए समय ही किसके पास है? जितना समय देखने में लगाएंगे, उतने में दो व्यंग्य लिख जाएंगे। तो कौन देखे और काहे के लिए देखे? जब बिना देखे लिखना संभव हो, तो देखकर लिखने का विचार मुझे दुराग्रह-सा लगता है।आपके लिखने से पहले सोचने की बात पर मुझे हंसी भी आ रही है और आप पर दया भी। मैं न तो लिखने से पहले, न लिखने के दौरान और न ही लिखने के बाद कभी सोचता हूं। सोचने के बारे में सोचने की मुझे कभी जरूरत ही नहीं पड़ी।समझदार व्यंग्यकार लिखने में भरोसा रखते हैं और सोचने का काम पाठकों पर छोड़ देते हैं।आपके इस प्रश्न का कि आपको व्यंग्य लिखने के लिए क्या प्रेरित करता है, जवाब यह है कि हमें छपना और पुरस्कार एवं सम्मान पाना ही लिखने के लिए प्रेरित करता है।किसी अन्य प्रेरणा के वशीभूत होकर हमने आज तक एक पंक्ति तक नहीं लिखी और न ही कभी लिखे जाने की उम्मीद है।तो मित्र प्रवर, हमारा खुला एजेंडा है कि व्यंग्य लिखना है और व्यंग्यकार बने रहना है, तो न कुछ देखो, न कुछ सोचो, न ही कुछ समझो और न ही कुछ अनुभव करो। बस, कलम उठाओ और पिल पड़ो।मित्र अवाक भाव से मुझे सुनते रहे और फिर अचानक एकदम से उठ खड़े हुए और पैर पटकते हुए बाहर चले गए।

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंतत:, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 207 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

स्वरोजगार और कौशल विकास को मिला प्रोत्साहन, राजोत्सव में प्रशिक्षणार्थियों ने प्रदर्शित किए हुनर से तैयार उत्पाद

बड़ौदा आरसेटी के स्टॉल पर लगभग 10 हजार रुपये के उत्पादों की बिक्री; विभिन्न संस्थानों के माध्यम से युवाओं को दिया जा रहा रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

धमतरी (दैनंदिनी)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर एकलव्य खेल परिसर, धमतरी में आयोजित जिला स्तरीय राजोत्सव कार्यक्रम में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बड़ौदा आरसेटी), धमतरी द्वारा स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉल लगाया गया। स्टॉल के माध्यम से संस्थान से प्रशिक्षित हितग्राहियों ने अपने हुनर और कौशल से तैयार विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन कर उनका विक्रय किया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने लगभग 10 हजार रुपये के उत्पादों की बिक्री कर अपनी उद्यमशीलता का परिचय दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुरूद विधायक अजय चंद्राकर सहित कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने बड़ौदा आरसेटी सहित विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार उत्पादों की सराहना की। उन्होंने युवाओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को अपने कौशल का उपयोग कर स्वरोजगार स्थापित करने, उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा विपणन के नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

बड़ौदा आरसेटी के स्टॉल में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित होममेड अगरबत्ती, मोमबत्ती, पापड़, अचार, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, सॉफ्ट टॉयज, साबुन, फिनाइल एवं वाशिंग पाउडर सहित अनेक उपयोगी उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इन उत्पादों को आगंतुकों से अच्छा प्रतिसाद मिला। प्रशिक्षणार्थियों के लिए यह आयोजन अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने, ग्राहकों से सीधे संवाद करने और व्यावसायिक पहचान विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर बना।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (आरसेटी) धमतरी द्वारा युवाओं एवं इच्छुक हितग्राहियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन प्रशिक्षण, सामान्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम, प्लंबिंग एवं सैनिटरी कार्य, राजमिस्त्री, फास्ट फूड स्टॉल संचालन, इलेक्ट्रिकल कार्य, मुर्गीपालन, मोमबत्ती निर्माण,



पशुपालन, असिस्टेंट बुककीपर, ब्यूटी पार्लर सहित विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण संचालित किए जाते हैं। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल के साथ व्यवसाय शुरू करने एवं उसका संचालन करने की जानकारी भी दी जाती है।

कौशल प्रशिक्षण से रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर

इसी प्रकार जिला परियोजना आजीविका महाविद्यालय, धमतरी के माध्यम से भी युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यहां असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, फील्ड टेक्नीशियन एयर कंडीशनर, सिक्योरिटी गार्ड, जल वितरण संचालक (मल्टी स्किल), रिटेल सेल्स असिस्टेंट, टैक्सी ड्राइवर, फील्ड टेक्नीशियन कंप्यूटिंग एंड पेरिफेरल्स, डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा सिलाई मशीन ऑपरेटर जैसे पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके साथ ही विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के अंतर्गत युवाओं को उनकी रुचि एवं बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिले में कौशल विकास, आजीविका संवर्धन एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार के लिए आवश्यक दक्षता प्राप्त हो रही है, वहीं स्वरोजगार अपनाने वाले हितग्राहियों को स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिल रहा है। राजोत्सव में प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि उचित मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर स्थानीय प्रतिभाएं अपने हुनर को आजीविका का मजबूत माध्यम बना सकती हैं। यह पहल आत्मनिर्भर धमतरी और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से तीन नवविवाहित जोड़ों को मिले विवाह प्रमाण पत्र



नारायणपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में नारायणपुर जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में निवासरत लोगों को शासकीय सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत छोटेडोंगर में तीन नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत छोटेडोंगर के उप सरपंच संतोष बैठरू, ग्राम पटेल दीपक बेलसरिया के द्वारा नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इनमें श्रीमती गुलसा मांझी एवं युधिष्ठिर मांझी, श्रीमती जयंती बेलसरिया एवं वासुदेव बेलसरिया तथा श्रीमती यशोधरा मांझी एवं जयसिंह मांझी शामिल हैं। सभी जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके सुखद एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

उल्लेखनीय है कि सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को उनके नजदीकी क्षेत्र में ही विभिन्न आवश्यक दस्तावेजों एवं शासकीय सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे ग्रामीणों को प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दूरस्थ शासकीय कार्यालयों तक जाने की परेशानी से राहत मिल रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि दूरस्थ एवं अंदरूनी क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को भी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध हों तथा वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त कर सकें।

जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

विजेता जोन स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे जिले का प्रतिनिधित्व

नारायणपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रायपुर के निर्देशानुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर में जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2026-27 का आयोजन किया गया। ब्लॉक् एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त सौजन्य से आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार रखा गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला मिशन समन्वयक दीनबंधु रावटे द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 20 से अधिक टीमों एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने विज्ञान आधारित मॉडल और नवाचारी प्रदर्श प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने



कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कृषि पद्धतियों, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के विभिन्न विषयों में निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया गया। बेहतर जीवन के लिए कृत्रिम बुद्धिमता विषय में मुस्कान समरथ ने प्रथम, फाल्गुनी इक्के ने द्वितीय एवं सुवेता कुमेटी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरित ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण विषय में हरेन्द्र देहरी प्रथम, राहुल उसेंडी द्वितीय एवं संतलाल पोटाई तृतीय स्थान पर रहे।

इसी प्रकार गणितीय मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल सोच विषय में प्रिंस नेताम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वास्थ्य, स्वच्छता और सफाई विषय में तनमय नाग प्रथम, बिनिता सोरी द्वितीय एवं अंकुशा नाग तृतीय स्थान पर रहे। स्वदेशी कृषि पद्धतियों में कोविंद चन्द्राकर ने प्रथम एवं डिम्पल कावड़े ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान विषय में खुशी पोयाम तथा आपदा प्रबंधन विषय में लिलेन्द्र दास ने प्रथम एवं विजय लक्ष्मी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में चयनित विजेता प्रतिभागी आगामी 13 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली जोन स्तरीय प्रतियोगिता में नारायणपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी, विद्यालय के प्राचार्य कमलेश सिंह, कार्यक्रम नोडल महेन्द्र देहारी, सह नोडल एस.पी. राय एवं सोनारूराम गोटा सहित मार्गदर्शक शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में जिला मिशन समन्वयक दीनबंधु रावटे ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की वैज्ञानिक प्रदर्शनियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, नवाचार एवं समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

बस्तर ओलंपिक के आयोजन से उत्साहित हैं ग्राम हिकपाड़ की रंजिता जुर्री

तीन बार राज्य स्तर और दो बार राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में दिखा चुकी हैं अपनी प्रतिभा

नारायणपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले के सुदूर वनांचल एवं अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम हिकपाड़ की प्रतिभाशाली खिलाड़ी कुमारी रंजिता जुर्री खेल के क्षेत्र में अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर में अध्ययनरत रंजिता ने अब तक तीन बार राज्य स्तरीय और दो बार राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार और गांव, बल्कि पूरे नारायणपुर जिले का गौरव बढ़ा है।

रंजिता जुर्री को बचपन से ही खेलों के प्रति विशेष लगाव रहा है। खेल के प्रति उनकी रुचि धीरे-धीरे जुनून में बदल गई और उन्होंने नियमित अभ्यास एवं मेहनत के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारना शुरू किया। पढ़ाई के साथ खेलों के लिए समय निकालना और लगातार अभ्यास करना उनकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी लगन और समर्पण के परिणामस्वरूप उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। दूरस्थ ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का उनका सफर क्षेत्र के अन्य बच्चों और युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है।



जिले में आयोजित बस्तर ओलंपिक को लेकर रंजिता काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाने का एक बेहतरीन माध्यम हैं। पहले दूरस्थ गांवों के अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त अवसर और मंच नहीं मिल पाता था, लेकिन अब ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन, मेहनत और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने का भी महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे आयोजनों से गांव-गांव के बच्चों और युवाओं में खेलों के प्रति आकर्षण बढ़ता है। साथ ही खिलाड़ियों को अपनी कमियों को पहचानने, अनुभव प्राप्त करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होने का अवसर मिलता है।

रंजिता का मानना है कि खेल के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिभा के साथ नियमित अभ्यास, धैर्य और दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। अलग-अलग क्षेत्रों के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और खेल के प्रति उनका उत्साह भी मजबूत हुआ है।

उन्होंने बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। रंजिता ने कहा कि इस तरह के आयोजन से अबूझमाड़ सहित जिले के दूरस्थ अंचलों में रहने वाले युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

उन्होंने उम्मीद जताई कि बस्तर ओलंपिक के माध्यम से जिले के अनेक नए खिलाड़ी सामने आएंगे और अपनी मेहनत एवं प्रतिभा के दम पर प्रदेश तथा देश में नारायणपुर का नाम रोशन करेंगे। ग्राम हिकपाड़ की रंजिता जुर्री की उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि प्रतिभा किसी स्थान या परिस्थिति की मोहताज नहीं होती। यदि सही अवसर, मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास मिले तो दूरस्थ गांवों के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकते हैं।

400 विद्यार्थियों ने दी निःशुल्क छात्रवृत्ति परीक्षा

धमतरी। युवाओं को आधुनिक तकनीक, डिजिटल कौशल और भविष्य की रोजगारपरक संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में धमतरी जिले के विद्यार्थियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। इस पहल के तहत नगर पालिक निगम धमतरी के सहयोग से संचालित पीआईवीओटी एआई प्रशिक्षण केंद्र में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें जिले के 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उल्लेखनीय है कि युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने नगर पालिक निगम आयुक्त को किफायती दरों पर अधिकाधिक प्रशिक्षण सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए थे। इसके परिपालन में नगर निगम द्वारा रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित कर सहकार्य स्थल (को-वर्किंग स्पेस) की शुरुआत की गई। इसी व्यवस्था के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पीआईवीओटी प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया। घड़ी चौक स्थित नगर निगम कॉम्प्लेक्स के तृतीय तल पर संचालित पीआईवीओटी एआई प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित परीक्षा चार अलग-अलग पालियों में संपन्न हुई, ताकि विद्यार्थियों को सुविधाजनक एवं व्यवस्थित ढंग से परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिल सके। विद्यार्थियों ने इस पहल में बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा बिलासपुर संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

NIT NO. - 15/2026-27 (द्वितीय / तृतीय आमंत्रण)

ज्ञा.क्र. 1370/ टेण्डर/वलेलि / ग्रा.यां. सेवा/2026 **बिलासपुर दिनांक 04/11/2026**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) "द" वर्ग एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नदर्शित सिविल कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, द्वारा जारी दर अनुसूची दिनांक 01.11.2021, प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी (सिविल कार्य) दर अनुसूची दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित प्रभावशील दर अनुसूची मुद्रीत एवं अद्यतन संशोधित दरों पर ऑफलाईन (Offline) प्रतिशत दर पर दिनांक **16.11.2026** तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रमांक	कार्य का नाम / स्थान	वि.ख.	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, पटवारी हल्का नंबर 48, विसाहू दास महंत नगर वार्ड	बिल्हा	19.15
2	कार्यालय संयुक्त संचालक कृषि बिलासपुर परिसर में स्थित विश्रामगृह का परिवर्तन / परिवर्धन कार्य	बिल्हा	0.96
3	संभागीय संयुक्त संचालक कृषि, बिलासपुर (छ.ग.) में परिवर्तन / परिवर्धन कार्य	बिल्हा	0.97

Note

01. निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट- 2.10) एवं निविदा दस्तावेज (परिशिष्ट-2.13) यथा सशोधित व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट **http://res.cg.gov.in** अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रा.यां. सेवा संभाग बिलासपुर

जी-262704417/2

क्रिकेट के मैदान पर खिलाड़ी को लगी भयंकर चोट, स्ट्रेचर पर ले जाया गया मैदान से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर खिलाड़ी को चोट लगना कोई बड़ी बात नहीं है। अक्सर ऐसा होता रहता है और इसे खेल का हिस्सा माना जाता है, लेकिन जब चोट गंभीर हो तो मामला बड़ा हो जाता है। बांग्लादेश के शादमान इस्लाम को ऐसी चोट लगी कि वे अपने पैरों पर मैदान से बाहर भी नहीं जा सके। उनके लिए स्ट्रेचर मंगवाया गया, तब वे बाहर पहुंच पाए। घटना टेस्ट मैच के दूसरे दिन की है। इस वक्त वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम बांग्लादेश के दौरे पर है। जहां टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। अभी सीरीज का दूसरा मुकाबला सिलहट में खेला जा रहा है। इस बीच मैच के दूसरे दिन मैदान पर फील्डिंग करते वक्त शादमान इस्लाम का पैर मुड़ गया। वे अचानक मैदान पर गिर पड़े। उन्हें शायद काफी दर्द हुआ, इसलिए वे कराहते हुए भी नजर आए। यह घटना 78वें ओवर में सामने आई, जब वे



एक बॉल का पीछा कर रहे थे। पता चला है कि मैदान पर काफी ओस थी, इसलिए उनका पैर फिसल गया और वे गिर पड़े।

शादमान इस्लाम की चोट इतनी गहरी थी कि वे खुद अपने पैरों पर मैदान से बाहर नहीं जा सके। पहले उन्हें ऐसे ही ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन जब कामयाबी नहीं मिली तो मैदान पर ही स्ट्रेचर मंगवाया गया और उसकी मदद से वे बाहर पहुंचे। इसके बाद उन्हें एमआरआई स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया, हालांकि उसकी रिपोर्ट आनी अभी बाकी है।

अभी मैच का दूसरा ही दिन चल रहा है। वेस्टइंडीज की टीम बैटिंग कर रही है। टीम ने 300 से अधिक रन बना दिए हैं। जब बांग्लादेश की बैटिंग आएगी तब पता चलेगा कि शादमान इस्लाम बैटिंग के लिए आते हैं या नहीं। पिछले ही मैच में इस्लाम ने शतकीय पारी खेली थी। अगर वे नहीं आए तो फिर बांग्लादेश के दस ही बल्लेबाजी बैटिंग कर पाएंगे। कुल मिलाकर ये बांग्लादेश के लिए अच्छी खबर नहीं है। अगर चोट ज्यादा होगी तो हो सकता है कि इस मैच से ही नहीं, बल्कि आगे के कुछ और मैचों से बाहर हो सकते हैं।

2027 वर्ल्ड कप से पहले हैरी ब्रूक का बड़ा ऐलान, इंग्लैंड को बनाना चाहते हैं दुनिया की सबसे मजबूत टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम इन दिनों टी20 और वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। वनडे सीरीज की शुरुआत 13 नवंबर से होगी और उससे पहले इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने बड़ा बयान दिया है। अगले साल होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए हैरी ब्रूक का लक्ष्य अपनी टीम को दुनिया की सबसे फिट और मजबूत टीमों में से एक बनाना है। पिछले साल जब वे एशेज के लिए आए थे, तो मीडिया और अखबारों का काफी दबाव था, लेकिन इस बार माहौल बिल्कुल शांत है और टीम बिना किसी दबाव के अपनी तैयारी में जुटी है।

इंग्लैंड टीम बिना किसी बाहरी शोर के 13 नवंबर को ऑप्टस स्टेडियम में होने वाली वनडे सीरीज की तैयारी शांति से कर पा रही है, जैसा पिछले एशेज दौरे के दौरान हुआ था। नए कप्तान हैरी ब्रूक के आने से



इंग्लैंड की वनडे टीम में नया जोश आया था, लेकिन पाकिस्तान में हुई ट्राई सीरीज के खराब प्रदर्शन के बाद टीम को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। वे मेजबान टीम और श्रीलंका के खिलाफ चार में से सिर्फ एक ही मैच जीत पाए थे। इस ट्राई सीरीज में ब्रूक ने दोहरा शतक भी लगाया था।

वनडे सीरीज से पहले वॉर्म-अप मैच खेलेगी इंग्लैंड की टीम

पिछली गलतियों से सीखते हुए इंग्लैंड की टीम इस बार शनिवार को पर्थ के रिनोवेट किए गए वाका ग्राउंड पर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक वार्म-अप मैच खेलेगी। कप्तान हैरी ब्रूक ने बताया कि यहां की पिच का बाउंस और रफ्तार ओप्टस स्टेडियम जैसी ही है, जो पिछले दौरे के मुकाबले बहुत बेहतर तैयारी का मौका दे रही है। पिछली एशेज सीरीज के दौरान हुई आलोचनाओं को पीछे छोड़ते हुए, इंग्लैंड की टीम अब अपनी फिटनेस और ट्रेनिंग पर पूरा ध्यान दे रही है, ताकि अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप से पहले वे अपनी सभी कमियों को सुधार सकें।

हैरी ब्रूक का कहना है कि उनका ध्यान इस वक्त इस बात पर है कि इंग्लैंड की टीम दुनिया की सबसे फिट और मजबूत टीमों में से एक बने, ताकि वे पूरे वर्ल्ड कप के दौरान अपना दबदबा बना सकें। मैच में हार-जीत तो हमारे हाथ में नहीं होती और इसकी कोई गारंटी नहीं है, लेकिन मैदान के बाहर की तैयारी पूरी तरह हमारे कंट्रोल में होती है। हम अपनी बेहतर तैयारी से मैच जीतने में बहुत मदद कर सकते हैं।

आंद्रे रसेल का ऐतिहासिक कारनामा, टी20 क्रिकेट में यह डबल धमाका करने वाले बने पहले खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट में अभी तक एक से एक शानदार रिकॉर्ड बनते हुए देखने को मिले हैं, लेकिन वेस्टइंडीज टीम के पूर्व खिलाड़ी आंद्रे रसेल ने अब एक ऐसा कारनामा किया है जो उनसे पहले कोई भी खिलाड़ी करने में कामयाब नहीं हो सका था। रसेल अभी भी फ्रेंचाइजी टी20 लीग्स में खेल रहे हैं, जिसमें उन्होंने नेपाल प्रीमियर लीग 2026 में ऐसी उपलब्धि हासिल की है जिसके दम पर वह इतिहास रचने में कामयाब रहे हैं। आंद्रे रसेल विराटनगर किंग्स स्क्वॉड की तरफ से नेपाल प्रीमियर लीग के मौजूदा जारी सीजन में खेल रहे हैं, जिसमें उनकी टीम के लिए सीजन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा लेकिन रसेल अपना कमाल दिखाने में कामयाब जरूर रहे हैं।

आंद्रे रसेल की गिनती टी20 क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों में की जाती है, जिसमें उनके नाम पर बल्ले और गेंद से कई शानदार रिकॉर्ड दर्ज हैं। अब वह टी20 क्रिकेट इतिहास के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो 10000 से अधिक रन और 500 से अधिक विकेट अपने नाम करने में कामयाब हो गए हैं। रसेल ने 500 विकेट का आंकड़ा पहले ही पूरा कर लिया था, जिसके बाद अब वह बल्ले से 10 हजार रनों का आंकड़ा भी पूरा करने में कामयाब हो गए हैं। रसेल टी20 क्रिकेट में 10000 या उससे अधिक रन बनाने वाले 21वें खिलाड़ी हैं, जिसमें इस लिस्ट में पहली पोजीशन पर 15062 रनों के साथ इंग्लैंड के जोस बटलर काबिज हैं। रसेल टी20 क्रिकेट में अब वेस्टइंडीज के सिर्फ चौथे खिलाड़ी हैं जो दस हजार रनों का आंकड़ा पूरा करने में कामयाब हो गए हैं।

टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विंडीज खिलाड़ी

कायरन पोलार्ड - 14999 रन
क्रिस गेल - 14562 रन
निकोलस पूरन - 11520 रन
आंद्रे रसेल - 10077 रन
आंद्रे फ्लेचर - 9206 रन

वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने 134 की स्ट्राइक रेट से बनाए 70 रन

लगाए 11 चौके-छक्के, भारत को मिली जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान में अंडर-19 एशिया कप के तहत आज भारत और नेपाल के बीच मुकाबला खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने नेपाल को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को 129 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे टीम इंडिया ने बिना कोई विकेट खोए 19.1 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। इस शानदार जीत में भारत के सलामी बल्लेबाजों आर्यवीर सहवाग (70 रन) और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी (53 रन) ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

इस मुकाबले में भारत के युवा बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग ने नेपाली गेंदबाजों की जमकर पिटाई की और मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने भी उनका पूरा साथ निभाया। आर्यवीर ने ताबड़तोड़



बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 34 गेंदों में ही अपना अर्धशतक पूरा कर लिया, जबकि कप्तान लक्ष्य ने भी संभलकर खेलते हुए 59 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की। पारी के अंत तक दोनों खिलाड़ी आउट नहीं हुए और टीम को आसानी से जिताकर ही मैदान से लौटे। कप्तान लक्ष्य ने 63 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से 53 रन बनाए। वहीं वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने अपने पिता के अंदाज में ही आक्रामक रुख अपनाते हुए मात्र 52 गेंदों पर 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से शानदार 70 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कुल 11 चौके-छक्के लगाए।

ईशान सूद ने झटके 3-3 विकेट

मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की शुरुआत की और नेपाल के शुरुआती दो विकेट सिर्फ 5 ओवरों में ही गिरा दिए। दोनों विकेट ईशान सूद ने झटके। इसके बाद भी भारतीय गेंदबाजों ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी जारी रखी और 9 ओवर तक नेपाल के 3 विकेट 27 रन पर ही गिरा दिए, तीसरा विकेट भी ईशान सूद को ही मिला। नेपाल की तरफ से नीरज कुमार यादव 20 रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुए, जिन्हें मनल चौहान ने आउट किया। इसके बाद दर्श सुनार और आशीष लुहार ने मिलकर स्कोर को 94 रन तक पहुंचाया। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने लगातार अंतराल पर विकेट चटकाते हुए नेपाल की पूरी टीम को 42.3 ओवर में सिर्फ 128 रनों पर ही ऑल आउट कर दिया। भारत की तरफ से ईशान सूद और अर्जुन राजपूत ने 3-3 विकेट लिए, जबकि यशवीर गौड को 2 और मनल चौहान-काव्य पटेल को 1-1 विकेट मिला। नेपाल के लिए दर्श सुनार ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए।

व्यापार

शेयर बाजार तूफानी रफ्तार से भागा, सोने-चांदी में बड़ी गिरावट

मुंबई (एजेंसी)। इस साल धनतेरस का पावन पर्व देश भर के बाजारों और निवेशकों के लिए खुशियों की तिहरी सौगात लेकर आया है। जहां एक तरफ शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी ने निवेशकों को खुश कर दिया, वहीं दूसरी तरफ सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट ने खरीदारों को राहत दी। इतना ही नहीं, लंबे समय से भारतीय बाजार से दूरी बनाए रखने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की भी जोरदार वापसी हुई है। सेंसेक्स ने एक ही कारोबारी दिन में 1,718 अंकों की छलांग लगाई और निफ्टी भी 25,000 के पार पहुंच गया। खास बात यह है कि भारतीय शेयर बाजार में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी दर्ज की गई।

धनतेरस के दिन शेयर बाजार में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की।



बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के बड़े शेयरों में मजबूत खरीदारी के चलते बाजार को शानदार सपोर्ट मिला। शुक्रवार को कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स 1,718.01 अंक यानी 2.17 फीसदी की तेजी के साथ 81,028.02 अंक पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 493.75 अंक यानी 2.01 फीसदी उछलकर 25,030.35 के स्तर पर पहुंच गया। इस तेजी के साथ निफ्टी ने 27 फरवरी 2026 के बाद पहली बार 25,000 का अहम स्तर पार किया। इसके अलावा, निफ्टी का यह पिछले नौ महीनों का सबसे ऊंचा क्लोजिंग स्तर भी रहा।खास बात यह है कि भारतीय शेयर बाजार में लगातार सात कारोबारी सत्रों से तेजी जारी है। करीब तीन साल बाद बाजार ने लगातार सात सत्रों तक बढ़त दर्ज करने का ऐसा सिलसिला देखा है।

भारतीय शेयर बाजार में आई इस तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की खरीदारी भी एक बड़ी वजह रही। विदेशी संस्थागत निवेशक यानी FII लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में नेट बायर रहे। इन निवेशकों ने इस दौरान भारतीय शेयरों में 14,974 करोड़ रुपये की खरीदारी की। दूसरी तरफ, घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने मुनाफावसूली की। आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 10,444 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। यानी घरेलू निवेशक जहां मुनाफा निकाल रहे थे, वहीं विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में नया पैसा लगा रहे थे। विशेषज्ञों के मुताबिक, बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी के साथ कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। कंपनियों की कमाई में उम्मीद से बेहतर बढ़ोतरी बाजार की तेजी को मजबूत आधार दे रही है।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसे में दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट से ग्राहकों को राहत मिली है। घरेलू वायदा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर शुक्रवार को सोने और चांदी दोनों के भाव टूट गए। दिसंबर डिलीवरी वाला सोना करीब 1,900 रुपये गिरकर 1,42,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता नजर आया।

गाड़ियों में CNG किट लगवाने वालों की संख्या 50% तक बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में सीएनजी किट लगाने वाले सेंटरों पर मांग में तेज बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

सेंटर ऑपरेटरों के अनुसार, गाड़ियों में सीएनजी किट लगवाने वालों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ गई है। दरअसल, दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड BS-4, BS-3 या इससे नीचे की सभी गाड़ियों की 1 नवंबर से दिल्ली में एंट्री बैन हो गई है। दिल्ली में प्रदूषण पर काबू पाने के लिए सरकार ने 31 जनवरी, 2027 तक पुरानी हो चुकी बाहरी गाड़ियों को शहर में प्रवेश देने पर रोक लगा दी है।

दिल्ली सरकार के नियमों की वजह से NCR में रहने वाले वो लोग जिन्हें अकसर दिल्ली आना पड़ता है और उनके पास BS-4 या BS-3 गाड़ियां हैं, वे नई गाड़ी खरीदने के बजाय अपनी मौजूदा कारों में ही सीएनजी लगवाना पसंद कर रहे हैं। दिल्ली सरकार के नियमों के तहत दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड ऐसी गाड़ियों को शहर में आने की अनुमति नहीं है, जो BS-6 उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करते हैं। ये पाबंदियां BS-4 और उससे पुराने सभी पेट्रोल और डीजल गाड़ियों पर लागू हैं। हालांकि, दिल्ली सरकार ने सीएनजी और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ-साथ कुछ खास आपात सेवा से जुड़ी गाड़ियों को छूट दी है। नोएडा के सेक्टर-122 में सीएनजी फिटमेंट सेंटर से जुड़े शक्ति सिंह ने कहा कि दिल्ली में पाबंदियां लागू होने के बाद पिछले 15 दिन में मांग 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई है।

8 नवंबर से बैंकों की लंबी छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवंबर का महीना त्योहारों और छुट्टियों के लिहाज से काफी खास रहने वाला है। दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे त्योहारों के कारण देश के कई राज्यों में बैंक लगातार कई दिनों तक बंद रह सकते हैं। अगर आपको बैंक में चेक जमा करना है, पैसे निकालने हैं या किसी जरूरी काम के लिए शाखा जाना है, तो पहले छुट्टियों की लिस्ट जरूर देख लें। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के नवंबर 2026 के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, 8 नवंबर से कई दिनों तक अलग-अलग राज्यों में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

8 से 11 नवंबर तक किस दिन कहां बंद रहेंगे बैंक?

नवंबर के दूसरे हफ्ते में त्योहारों और साप्ताहिक छुट्टियों के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, सभी राज्यों में एक जैसी छुट्टी नहीं होगी। RBI के कैलेंडर के अनुसार छुट्टियों का विवरण इस प्रकार है:

8 नवंबर, रविवार: देशभर में बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। इस दिन सभी बैंक बंद रहेंगे।

9 नवंबर, सोमवार: त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, सिक्किम, मणिपुर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बैंक बंद रहेंगे। इन राज्यों में दिवाली, लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा और विश्वकर्मा दिवस के कारण छुट्टी रहेगी।

10 नवंबर, मंगलवार: गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तराखंड और सिक्किम में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। इस दिन दिवाली, बलि प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा और विक्रम संवत नववर्ष के अवसर पर अवकाश रहेगा।

11 नवंबर, बुधवार: सिक्किम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे। इन राज्यों में लक्ष्मी पूजा, निंगोल चक्कौबा, भाई दूज, भ्रातृ द्वितीया और चित्रगुप्त जयंती के कारण छुट्टी रहेगी।

बैंक बंद रहने पर कैसे निपटाएं जरूरी काम?

बैंक की शाखाएं बंद होने का मतलब यह नहीं है कि ग्राहकों को पैसों के लेनदेन में परेशानी होगी। छुट्टियों के दौरान भी ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और UPI की मदद से पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इसके अलावा ATM से नकदी निकालने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। हालांकि, चेक क्लियरेंस, ड्राफ्ट बनवाने और बैंक शाखा से जुड़े दूसरे जरूरी कामों के लिए छुट्टियों के खत्म होने का इंतजार करना पड़ सकता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट्स को लेकर बड़ा फैसला मार्च 2027 से 12 विदेशी एयरलाइंस को नहीं मिलेगी जगह

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। मार्च 2027 से शुरू होने वाले समर शेड्यूल के लिए एयरपोर्ट ऑपरेटर ने 12 विदेशी एयरलाइंस को स्लॉट आवंटित नहीं किए हैं। इसका मतलब है कि इन एयरलाइंस की कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को मुंबई एयरपोर्ट के बजाय नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMIA) से संचालित किया जा सकता है। इस फैसले को लेकर विदेशी एयरलाइंस के बीच विरोध भी सामने आया है।

सूत्रों के मुताबिक, मुंबई एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (MIAL) ने मार्च 2027 से लागू होने वाले समर शेड्यूल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्लॉट आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। कुल 50 विदेशी एयरलाइंस में से 38 को मुंबई एयरपोर्ट पर उड़ानों के संचालन के लिए स्लॉट दिए गए हैं। वहीं, बाकी 12 एयरलाइंस को अगले समर शेड्यूल के लिए स्लॉट नहीं मिले हैं। ये एयरलाइंस रोजाना करीब 16 उड़ानें संचालित करती हैं, जो 14 अंतरराष्ट्रीय शहरों के लिए आती-



जाती हैं। सूत्रों का कहना है कि इन प्रभावित उड़ानों को नवी मुंबई एयरपोर्ट से संचालित किया जा सकता है।

यात्रियों पर कितना पड़ेगा असर?

एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस बदलाव से मुंबई एयरपोर्ट की मौजूदा ट्रैफिक क्षमता का करीब 91 फीसदी हिस्सा प्रभावित नहीं होगा। यानी ज्यादातर उड़ानों का संचालन पहले की तरह जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, जिन यात्रियों की उड़ानें प्रभावित एयरलाइंस से जुड़ी हैं, उन्हें अपने टिकट और एयरलाइन की ओर से जारी अपडेट पर नजर रखनी होगी।

टर्मिनल-1 के रेनोवेशन की वजह से फैसला

दरअसल, मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का अगले साल की शुरुआत से रेनोवेशन किया जाना है। इसी वजह से एयरपोर्ट ऑपरेटर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के एक हिस्से को नवी मुंबई एयरपोर्ट पर शिफ्ट करना चाहता है। पहले यह बदलाव 25 अक्टूबर से लागू करने की योजना थी, लेकिन विदेशी एयरलाइंस की आपत्तियों के बाद इसकी तारीख बढ़ाकर मार्च 2027 कर दी गई।

एयरलाइंस की समिति ने उठाए सवाल

इस फैसले को लेकर एयरपोर्ट ऑपरेटर्स कमेटी (AOC) से जुड़े सूत्रों ने आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि MIAL ने स्लॉट आवंटन का फैसला एकतरफा लिया है और नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) तथा इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के स्लॉट संबंधी दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया है। हालांकि, अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (AAHL) ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

घरेलू एयरलाइंस भी नवी मुंबई की ओर बढ़ेंगी

मुंबई और नवी मुंबई दोनों एयरपोर्ट अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के अंतर्गत आते हैं। इस बीच एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और अकासा एयर ने भी AAHL के साथ मिलकर अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को आने वाले महीनों में चरणबद्ध तरीके से नवी मुंबई एयरपोर्ट पर शिफ्ट करने की घोषणा की है।

टोयोटा लॉन्च करेगी फ्लेक्स-फ्यूल से चलने वाली इनोवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन इस महीने इनोवा का फ्लेक्स-फ्यूल मॉडल पेश करेगी। ये गाड़ी E100 (100 प्रतिशत एथनॉल) से चलने में पूरी तरह से सक्षम होगी। गडकरी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को एनर्जी सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है, क्योंकि पश्चिम एशिया में संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। उन्होंने ये भी दावा किया कि अगले साल तक देश में बिकने वाली कम से कम 35-40 प्रतिशत कार इलेक्ट्रिक होंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है और भारत स्वच्छ हाइड्रोजन का शुद्ध निर्यातक बन सकता है। पिछले महीने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन अधिसूचित किए थे। इसके तहत E100 फ्यूल से चलने वाली फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों को मंजूरी दी गई है।

गोबर के दीयों से रोशन हो रही महिलाओं की आत्मनिर्भरता की राह

बिहान से जुड़कर सरगम उत्पादक समूह की 36 महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर, 'वोकल फॉर लोकल' को दे रहीं नई पहचान

उत्तर बस्तर कांकेर (दैनंदिनी ब्यूरो)। दीपावली के अवसर पर जब हर घर रोशनी से जगमगाने की तैयारी में है, तब जिले के चारामा विकासखंड के ग्राम भिलाई की महिलाएं अपने हाथों से तैयार प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल गोबर के दीयों से न केवल घरों को रोशन कर रही हैं, बल्कि अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह भी प्रकाशित कर रही हैं।

चारामा विकासखण्ड के ग्राम भिलाई के सरगम उत्पादक समूह, बिहान से जुड़कर स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है। वर्ष 2016 में महज 10 महिलाओं से शुरू हुआ यह समूह आज 36 महिलाओं को आजीविका से जोड़ चुका है।



गोबर से तैयार होते हैं सुंदर और प्राकृतिक दीपक

समूह की महिलाएं गोबर से दीये तैयार करने की पूरी प्रक्रिया स्वयं करती हैं। गोबर को एकत्रित कर उसे अच्छी तरह तैयार किया जाता है और आवश्यक सामग्री के साथ मिश्रण बनाकर सांचों की सहायता से विभिन्न आकार के दीये तैयार किए जाते हैं। इसके बाद इन्हें सुखाया जाता है और बिक्री के लिए तैयार किया जाता है। प्राकृतिक सामग्री से बने ये दीये पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और स्थानीय हुनर की पहचान भी है। समूह की सदस्य श्रीमती सुभद्रा नागराज बताती हैं कि वर्ष 2022 में उन्हें गोबर के दीये बनाने की प्रेरणा मिली। पहले वर्ष महिलाओं ने करीब 10 हजार दीये तैयार किए, जिससे उन्हें लगभग 20 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इस सफलता ने महिलाओं का उत्साह बढ़ाया और धीरे-धीरे यह कार्य समूह की आय का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया।

इस वर्ष अब तक बिक चुके हैं 11 हजार से अधिक दीये

समूह की सदस्य श्रीमती ममता नागराज ने बताया कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर समूह द्वारा तैयार किए गए 11 हजार 400 गोबर के दीये अब तक बेचे जा चुके हैं। दीपावली को देखते हुए लगातार नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, जिसके कारण महिलाएं उत्पादन बढ़ाने में जुटी हुई हैं। वर्तमान में समूह की महिलाएं प्रतिदिन लगभग 500 दीये तैयार कर रही हैं। इन दीयों की बिक्री सी-मार्ट, स्थानीय हाट-बाजारों और अन्य स्थानों के माध्यम से की जा रही है। समूह को रायपुर से भी ऑर्डर मिलने की जानकारी मिली है, जिससे महिलाओं का उत्साह और बढ़ गया है। एक समूह, आजीविका के कई अवसर -सरगम उत्पादक समूह केवल गोबर के दीये ही नहीं बनाता, बल्कि महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों और अपनी मेहनत के बल पर आय के कई साधन विकसित किए हैं। समूह द्वारा आम का अमचूर पाउडर, इमली का संग्रहण एवं प्रसंस्करण, आम का अचार, राखी निर्माण और मशरूम उत्पादन जैसे कार्य भी किए जाते हैं। तैयार उत्पादों को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ सी-मार्ट के माध्यम से भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

मशरूम उत्पादन से भी बढ़ी आय

समूह की महिलाओं ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में भी सफलता हासिल की है। महिलाओं ने लगभग 4 हजार रुपये की लागत से मशरूम उत्पादन किया और उसे 7 हजार रुपये में बेचकर करीब 3 हजार रुपये का लाभ अर्जित किया। कम समय में हुए इस लाभ को देखते हुए अब समूह की अन्य महिलाएं भी मशरूम उत्पादन से जुड़ने की तैयारी कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि बिहान के माध्यम से समूह को विभिन्न आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए बैंक से 02 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें 50 हजार रुपये का अनुदान भी मिला। शेष 01 लाख 50 हजार रुपये की राशि का भुगतान समूह द्वारा किश्तों के माध्यम से बैंक को किया जा रहा है। इस आर्थिक सहयोग ने महिलाओं को अपने कार्य का विस्तार करने और नए आजीविका अवसरों से जुड़ने में मदद की है। समूह से जुड़ी सविता निषाद, टीकेश्वरी विश्वकर्मा और चिलेश्वरी विश्वकर्मा सहित अन्य महिलाएं भी विभिन्न उत्पादों के निर्माण और विपणन का कार्य कर रही हैं।

'वोकल फॉर लोकल' को साकार करती ग्रामीण महिलाएं

दीपावली के अवसर पर ग्राम भिलाई की इन महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय और प्राकृतिक गोबर के दीये 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को साकार कर रहे हैं। स्थानीय उत्पादों को अपनाने से जहां ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आय का अवसर मिल रहा है, वहीं पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को भी बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के वोकल फॉर लोकल और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के संकल्प की दिशा में सरगम उत्पादक समूह की महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर से एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। इस दीपावली में ग्राम भिलाई की इन महिलाओं के हाथों से बने एक-एक दीये में सिर्फ रोशनी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन और स्थानीय उत्पादों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी जगमगा रहा है।

रबी सीजन में टोकन और क्यूआर कोड से उर्वरक वितरण शुरू



कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। रबी सीजन 2026-27 में रासायनिक उर्वरकों का पारदर्शी और सुव्यवस्थित वितरण सुनिश्चित करने के लिए जिले में आज से 'फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल' (एफएफएस) सॉफ्टवेयर के माध्यम से टोकन आधारित व्यवस्था शुरू की गई है। इसके तहत किसान मोबाइल ऐप से खाद की प्री-बुकिंग कर ई-टोकन प्राप्त कर सकते हैं। दुकान पर टोकन का क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद उर्वरक दिया जाएगा।

नई व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को समय पर उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना, वितरण में पारदर्शिता बढ़ाना और कालाबाजारी पर रोक लगाना है। एफएफएस सॉफ्टवेयर के जरिए विक्रेताओं के स्टॉक, उर्वरक की प्राप्ति, दैनिक बिक्री और शेष उपलब्धता का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा। यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एमओपी, एनपीके सहित अन्य उर्वरकों की बिक्री और स्टॉक की जानकारी के आधार पर अधिकारी मांग, आपूर्ति और वितरण की नियमित समीक्षा कर सकेंगे।

जिले के किसान आधार कार्ड या फार्मर आईडी की सहायता से ऐप में लॉगिन कर सकते हैं। ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। किसान घर बैठे खाद की प्री-बुकिंग कर सकते हैं। बुकिंग के बाद 48 घंटे के भीतर संबंधित दुकान पर टोकन का क्यूआर कोड स्कैन कराना जरूरी होगा। निर्धारित समय में स्कैन नहीं कराने पर बुकिंग स्वतः निरस्त हो जाएगी। किसान कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से भी टोकन प्राप्त कर सकते हैं।

आज मोबाइल ऐप के माध्यम से ई-टोकन जारी किए गए। नई प्रक्रिया के तहत उर्वरक प्राप्त करने वाले किसानों ने व्यवस्था को सहज बताया। इसके सुचारू संचालन के लिए कृषि विभाग और सहकारी समितियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

उप संचालक कृषि ने जिले के किसानों से एफएफएस ऐप के माध्यम से ही खाद की बुकिंग और खरीदी करने की अपील की है। ऐप पर टोकन बनाने में किसी प्रकार की समस्या आने पर किसान नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय या सहकारी समिति के अधिकारियों-कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं।

जिला स्तरीय जनजाति गौरव ज्ञान प्रतियोगिता-2026 का हुआ आयोजन

मोहला (दैनंदिनी ब्यूरो)। जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के संबंध में प्राप्त निर्देशों के परिपालन में जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में आज जिला स्तरीय जनजाति गौरव ज्ञान प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया।



प्रतियोगिता का आयोजन स्वर्गीय लाल श्याम शाह महाविद्यालय, मोहला में किया गया, जिसमें जिले के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन दो श्रेणियों में किया गया। श्रेणी-01 में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों तथा श्रेणी-02 में महाविद्यालयीन स्तर एवं पोस्ट मैट्रिक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय महापुरुषों एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके महत्वपूर्ण योगदान से परिचित कराने का प्रयास किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में जनजातीय नायकों के त्याग, बलिदान एवं संघर्ष की गाथाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जनजातीय परंपराओं, संस्कृति और उपलब्धियों से नई पीढ़ी को जोड़ना है। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और जनजातीय महापुरुषों के आदर्शों एवं विचारों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

त्योहारी सीजन में मिठाइयों में मिलावट रोकने खाद्य विभाग सतर्क, 21 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे

उत्तर बस्तर कांकेर (दैनंदिनी ब्यूरो)। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न मिठाई दुकानों, कन्फेक्शनरी के थोक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों एवं होटलों का नियमित निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए जा रहे हैं। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है।

वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से काजू कतली एवं छेना रसगुल्ला, खीर कदम एवं चॉकलेट मावा बर्फी, कलाकंद एवं बालूशाही, खोवा, बादाम बर्फी, पनीर तथा बर्फी के नमूने लिए गए। इसके अलावा विभिन्न प्रतिष्ठानों से पेड़ा, लड्डू, नारियल बर्फी, पनीर, दूध, दही, नमकीन एवं घी सहित कुल 21 खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित कर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट में नमूने अमानक पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय कांकेर के अभिहित अधिकारी सुष्मित देवांगन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने, अखाद्य रंगों का उपयोग नहीं करने, स्वच्छ पेयजल का इस्तेमाल करने तथा खाद्य पदार्थों को अखबारी कागज में नहीं रखने के निर्देश दिए गए। वहीं बिना लाइसेंस अथवा पंजीयन खाद्य कारोबार करने एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्री बेचने के मामले में दो खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज भी किया गया है। इसके साथ ही तीन खाद्य कारोबारकर्ताओं को सुधार के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि बाजार में बिकने वाली खुली एवं अमानक खाद्य सामग्री के उपयोग से बचें। अधिक कृत्रिम रंग वाली मिठाइयों का सेवन न करें। खाद्य पदार्थ खरीदते समय उसके पैकेट पर अंकित लेबल, निर्माण तिथि एवं उपयोग की अंतिम तिथि अवश्य जांच लें। किसी भी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता में कमी या अनियमितता पाए जाने पर इसकी सूचना विभाग को दें, ताकि संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

SSR 2027: कुकदुर तहसील के 66 मतदान केंद्रों के BLO एवं अभिहित अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

कुकदुर (पंडरिया), (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (SSR-2027) के सफल क्रियान्वयन के लिए आज तहसील कार्यालय कुकदुर (पंडरिया) में निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में तहसील अंतर्गत कुल 66 मतदान केंद्रों के 66 बूथ लेवल अधिकारियों (BLO), 66 अभिहित अधिकारियों एवं संबंधित सुपरवाइजरों को निर्वाचन नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन, दावा-आपत्ति तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन की प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।



माननीय अनुविभागीय अधिकारी (SDM) पंडरिया के आदेशानुसार तथा नायब तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कुकदुर श्रीमती पूजा वर्मा के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर शिक्षक राजीव श्रीवास्तव एवं सुमित पाण्डेय द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण सत्र प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक संचालित हुआ। इस दौरान मास्टर ट्रेनरों ने निर्वाचन नामावली के शुद्धिकरण, नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु फॉर्म-6, अपात्र अथवा मृत मतदाताओं के नाम विलोपन हेतु फॉर्म-7 तथा मतदाता सूची में नाम, पता एवं अन्य विवरणों में संशोधन के लिए फॉर्म-8 की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही निर्वाचन नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे एवं आपत्तियों के नियमानुसार निराकरण की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान BLO द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर निर्वाचन संबंधी कार्यों के निष्पादन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, मोबाइल एप के संचालन तथा एप में प्रदर्शित होने वाली विभिन्न तकनीकी त्रुटियों (Error) पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मास्टर ट्रेनरों द्वारा इन समस्याओं का मौके पर ही समाधान करते हुए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

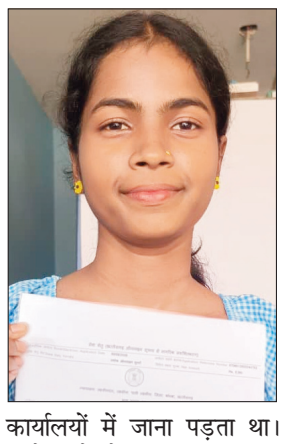
इस अवसर पर सभी BLO एवं अभिहित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि SSR-2027 के कार्यों को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। निर्वाचन प्रक्रिया का मूल उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक को मताधिकार सुनिश्चित करना है। इसी भावना के अनुरूप "कोई पात्र मतदाता न छूटे और कोई अपात्र मतदाता न जुड़े" के संकल्प के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया।

प्रशिक्षण के सफल आयोजन में तहसील कार्यालय के लिपिक श्री रोहित धुर्वे का विशेष सहयोग रहा।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से निर्वाचन कार्य में संलग्न मैदानी अमले को SSR-2027 की प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं एवं दायित्वों के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं व्यावहारिक दक्षता प्रदान की गई।

सेवा सेतु से बढ़ी शासकीय सेवाओं तक पहुंच, नागरिकों को मिल रही सुविधा

कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। आवश्यक शासकीय दस्तावेज बनवाने के लिए पहले नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने, बार-बार आने-जाने और अपना समय व धन खर्च करने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु पहल से शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान हो रही है। अब च्वाइस सेंटर के माध्यम से आवेदन कर आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बन रही है।



पाली तहसील अंतर्गत ग्राम नांनबांका निवासी सुश्री पायल नेटी, पुत्री भगवान सिंह नेटी, को भी इस सुविधा का लाभ मिला। उन्होंने 30 सितंबर को आवश्यक दस्तावेजों के साथ ग्राम सुतर्रा स्थित अशोक च्वाइस सेंटर के माध्यम से आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। आवेदन के महज तीन दिन बाद, 3 अक्टूबर को उनका आय प्रमाण पत्र जारी हो गया। कम समय में प्रमाण पत्र मिलने से उन्हें अनावश्यक भागदौड़ और कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली।

पायल नेटी अपने अनुभव साझा करते हुए बताती हैं, "पहले आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालयों में जाना पड़ता था। आने-जाने में समय लगता था और पैसे भी खर्च होते थे। अब च्वाइस सेंटर के माध्यम से आवेदन करने पर मुझे केवल तीन दिन में आय प्रमाण पत्र मिल गया। इसके लिए न तो अनावश्यक भागदौड़ करनी पड़ी और न ही बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े। इससे मेरे समय और धन दोनों की बचत हुई है।"

पायल के अनुसार, सेवा सेतु के माध्यम से जरूरी शासकीय दस्तावेज प्राप्त करने की प्रक्रिया पहले से अधिक आसान हुई है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव (छ०ग०)

!! निविदा सूचना !!

क्र. 483 / निविदा/लोक-11/2026-27 राजनांदगांव दिनांक 05/11/2026

नगर पालिक निगम, राजनांदगांव द्वारा निम्न कार्य हेतु मैनुअल बजे तक आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा भरने की अंतिम तिथी 26/11/ 2026 शाम 5.30 बजे तक

क्रमांक	कार्य का नाम / विवरण	राशि (लाख में)
1	सिविल लाईन डिवाईडर सौंदर्यीकरण कार्य	8.31
2	स्वच्छता सर्वेक्षण हेतु विभिनन शालाओं उद्यानों में कम्पोस्ट पीट निर्माण कार्य	8.42

निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा निविदा, विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के (लोक कर्म शाखा) एवं वेबसाईड www.mcrjn.com & http://www.uad.cg.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। किसी भी प्रकार का संशोधन, अमेडमेंन्ट, शुद्धिकरण पृथक से विज्ञापन जारी नही किया जावेगा। वेबसाईड में ही प्रकाशित किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, राजनांदगांव

कृषक उन्नति योजना खरीफ-2026- अनुदान वितरण प्रक्रिया होगी पूरी तरह पारदर्शी और सरलः मुख्य सचिव

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ में किसानों को कृषि के क्षेत्र में और अधिक संबल प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में कृषक उन्नति योजना खरीफ-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत किसानों को आदान सहायता (अनुदान) राशि प्रदान करने की प्रक्रिया, पात्रता के दिशा-निर्देशों और डेटाबेस एकीकरण पर विस्तार से मंथन किया गया।

बैठक में मुख्य सचिव श्री विकासशील ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन पूरी तरह पारदर्शी, सरल और त्रुटिरहित होना चाहिए। उन्होंने कृषि विभाग के विभिन्न पोर्टलों और धान खरीदी डेटाबेस को आपस में एकीकृत करने पर जोर दिया, जिससे किसानों से बार-बार दस्तावेज या जानकारी मांगने की आवश्यकता न पड़े। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान आईडी, फार्म आईडी और गिरदावरी के आंकड़ों को आपस में जोड़कर किसानों की कुल भूमि और फसल के रकबे की जानकारी का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी विशिष्ट फार्म आईडी की पुष्टि करने तथा योजना के तहत अनुदान हेतु आवेदन करने की सहज सुविधा दी जाए। योजना के सुचारू संचालन हेतु योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य होगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे में संबंधित भूमि पर धान की फसल दर्ज होना आवश्यक है। धान खरीदी प्रक्रिया के अंतर्गत कम से कम एक सफल खरीदी का लेन-देन होना जरूरी है, जिसके लिए खाद्य विभाग के धान खरीदी पोर्टल की जानकारी का उपयोग किया जाएगा।

किसानों के हितों की रक्षा और वास्तविक पात्रता सुनिश्चित करने के लिए धान खरीदी के दौरान टोकन जारी करते समय अनुदानित रकबे का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष तौर पर, पिछले वर्ष धान न बेचने वाले किसानों के मामलों में भौतिक सत्यापन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त, बैठक में दलहन, तिलहन और मिलेट्स (कोदो-कुटकी-रागी) की खरीदी व्यवस्था तथा इन फसलों के उत्पादक किसानों को मिलने वाले प्रोत्साहन के संबंध में भी स्पष्ट जानकारी प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने ग्रामीण अंचलों में योजना की शर्तों और आवेदन प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया ताकि किसी भी किसान को असुविधा का सामना न करना पड़े। इस बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, वित्त एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, खाद्य विभाग की सचिव सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले, कृषि विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, राजस्व विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक कृषि श्री राहुल देव, संचालक भू-अभिलेख श्री विनीत नंदवार और प्रबंध संचालक मार्कफेड श्री जितेन्द्र शुक्ला सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

दंतेवाड़ा की माटी से अमेरिका तक बनाई पहचान



रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की माटी से निकलकर सात समंदर पार अमेरिका में अपनी पहचान बनाने वाले दंतेवाड़ा निवासी गणेश कुमार कर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर स्नेह भरा पत्र लिखकर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने विदेश में रहते हुए भी छत्तीसगढ़ की संस्कृति, भाषा और परंपराओं से जुड़े रहने तथा प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने के उनके प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत पत्र मिलने पर गणेश कुमार कर ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर आभार जताया। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि दंतेवाड़ा से अमेरिका तक गणेश कुमार कर की यात्रा प्रेरणादायक है। विदेश में व्यस्त जीवन के बावजूद जन्मभूमि, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के प्रति उनका लगाव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरे अपनत्व को दर्शाता है। अपनी जड़ों से जुड़े रहकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री ने नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (नाचा) के माध्यम से विदेशों में बसे छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने के प्रयासों की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि विदेश में अपनी बोली सुनने, तीज-त्योहार सामूहिक रूप से मनाने और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने से प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को मातृभूमि से जुड़े रहने का अवसर मिलता है। गणेश कुमार कर द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले की पहल को भी मुख्यमंत्री ने सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों, कला, संस्कृति और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान है।

विदेश में भी संस्कृति से जुड़ाव

नाचा के माध्यम से प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने, तीज-त्योहार मनाने और स्वदेशी मेले के जरिए भारतीय कला-संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों की मुख्यमंत्री ने सराहना की।

शिक्षा के लिए 'उड़ान' पहल

गणेश कुमार कर की 'उड़ान' पहल विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा और छात्रवृत्ति में सहयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने इसे जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य के लिए प्रेरणादायक प्रयास बताया।

मुख्यमंत्री ने 'उड़ान' पहल के जरिए विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा और छात्रवृत्ति के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक संवेदनशीलता और मातृभूमि के प्रति जिम्मेदारी का परिचायक बताया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करना समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल है। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत 2047 और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशों में बसे छत्तीसगढ़ियों का अनुभव, ज्ञान और मातृभूमि के प्रति लगाव प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सेंट्रल जेल पहुंचे भूपेश बघेल, रामगोपाल अग्रवाल से की मुलाकात

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुक्रवार को रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचे, जहां उन्होंने जेल में बंद कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल से मुलाकात की। जेल के भीतर दोनों के बीच करीब 10 मिनट तक बातचीत हुई। मुलाकात के बाद भूपेश बघेल ने रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी और जेल में रखे जाने को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रामगोपाल कांग्रेस के कोषाध्यक्ष हैं। सरकार ने उन्हें गलत तरीके से जेल में बंद कर रखा है। बता दें कि शराब घोटाला मामले में 5 नवंबर को बिलासपुर हाईकोर्ट से रामगोपाल अग्रवाल को जमानत मिल चुकी है। हालांकि, कोल घोटाले समेत अन्य मामलों में आरोपी होने के कारण उन्हें फिलहाल जेल में ही रहना होगा। शराब घोटाले में जमानत मिलने के बावजूद अन्य मामलों में राहत नहीं मिलने से उनकी जेल से रिहाई नहीं हो सकी है। सेंट्रल जेल में मुलाकात के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

दो में जमानत, 4 मामले अभी लंबित-बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी के मुताबिक, रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ कुल 6 मामले दर्ज हैं। इनमें से 2 में उन्हें जमानत मिल चुकी है, जबकि 4 मामले अभी लंबित हैं। इन चारों में जमानत मिलने के बाद ही उनकी रिहाई संभव है। रिजवी का दावा है कि किसी भी FIR में रामगोपाल का नाम नहीं है। उन्हें पहले से अपराधी एक आरोपी के बयान के आधार पर फंसाया गया है। उन्होंने इसे राजनीतिक कार्रवाई बताते हुए कहा, कांग्रेस कोषाध्यक्ष होने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया है।

सोनिया गांधी को 'गांधारी' बताए जाने पर बिफरे भूपेश बघेल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सांसद संतोष पाण्डेय के सोनिया गांधी को 'गांधारी' और कांग्रेस को 'दुर्योधन-दुशासन' कहे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तीखा जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है. राहुल गांधी ने ठीक कहा था कि हम उनको पागल कर देंगे. राहुल गांधी के निमंत्रण पर दिल्ली जाने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से चर्चा की. उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि क्राइम हो सकता है, लेकिन अपराध नहीं. भाजपा मोदी जी कहीं नहीं जाएंगे की बातें कह रही. अमित शाह कहते थे कि संसद में चर्चा नहीं हो सकती, लेकिन रायपुर में आकर कहते हैं कि राहुल गांधी सड़क पर नहीं, संसद में बात करें. राहुल गांधी संसद में चर्चा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन बीजेपी के नेता अपनी पुरानी बातें भूल जाते हैं. वहीं भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के नेहरू को लेकर दिए बयान पर भूपेश बघेल ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि कितना बड़ा पागल आदमी है. नेहरू जी के समय बांग्लादेश बना ही नहीं था, बांग्लादेश तो इंदिरा गांधी के समय बना था. राजनाथ सिंह ने कहा था कि हम बदला नहीं लेंगे, लेकिन जैसे ही ट्रंप का फोन आया, सीजफायर हो गया. हमारे जवान आगे बढ़ चुके थे, फिर उन्हें रोका क्यों गया? क्या फादरलैंड से फोन आ गया था, इसलिए ऑपरेशन रोक दिया गया? धान खरीदी को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि 1 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो जानी चाहिए थी. सरकार ने धान खरीदी को लेकर कोई व्यवस्था नहीं की है. प्रदेश में पटवारी हड़ताल पर हैं. सरकार की धान खरीदी करने की नीयत नहीं है. सरकार अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग बातें कर रही है. इस सरकार में किसान परेशान हैं. सरकार को धान खरीदी के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं करनी चाहिए.

दीपवाली से पहले छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल ने समूह-2, तृतीय श्रेणी (स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर), उपसमूह-02 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के 1,703 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। मंडल द्वारा इन पदों के लिए पहली बार लिखित भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। भर्ती में सहायक ग्रेड-3 के 1,206 पद, सहायक उप निरीक्षक (जिला इकाई संवर्ग) के 279 पद, शीघ्रलेखक (हिंदी) के 30, उप निरीक्षक-अ (शीघ्रलेखक, सामान्य शाखा) के 34, स्टेनो टाइपिस्ट के 23, डाटा एंट्री ऑपरेटर के 25, शीघ्रलेखक (द्विभाषी) के 13, पंजीयक लिपिक के 50, सहायक उप निरीक्षक-अ (सामान्य शाखा) के 40 और शीघ्रलेखक (अंग्रेजी) के 3 पद शामिल हैं। ऑनलाइन आवेदन 5 नवम्बर से शुरू हो गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 27 नवम्बर, शाम 5 बजे तक है। आवेदन में त्रुटि सुधार 28 से 30 नवम्बर तक शाम 5 बजे तक किया जा सकेगा। लिखित परीक्षा 10 जनवरी 2027 को सुबह 10 से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित होगी।

सड़क पर लगाया जाम! भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष समेत 11 पर FIR

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पुलिस भर्ती अभ्यर्थियों के समर्थन में प्रदर्शन करना भीम आर्मी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए कानूनी मुश्किल बन गया। ओसीएम चौक पर मुख्य सड़क जाम कर नारेबाजी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने प्रदेश अध्यक्ष दिनेश आजाद, जिला अध्यक्ष देवेंद्र मैरिसा और युवराज ढीढी समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बताया गया कि पुलिस भर्ती अभ्यर्थियों की मांगों को लेकर भीम आर्मी के बैनर तले करीब 100 से 150 कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च करने निकले थे। ओसीएम चौक पहुंचते ही प्रदर्शनकारी मुख्य सड़क पर बैठ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ भी नारे लगाए जाने की बात सामने आई है।



एंबुलेंस और स्कूल बसें भी फंसीं

प्रदर्शन के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यातायात बाधित होने से आम नागरिकों को परेशानी हुई। मरीजों को अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस और स्कूली बच्चों को घर छोड़ने वाली बसें भी जाम में फंस गईं।

तूता धरना स्थल जाने की अपील ठुकराई

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने लाउडस्पीकर के जरिए प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और नवा रायपुर के तूता स्थित निर्धारित धरना स्थल पर जाने का आग्रह किया। लेकिन प्रदर्शनकारी सड़क से हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, सार्वजनिक मार्ग बाधित करने और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने के मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। एफआईआर में लगाए गए आरोपों पर अंतिम निर्णय जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद होगा।

जिन आवासों को भूपेश बघेल ने रोका था, साय सरकार ने सबसे पहले किया: संतोष पांडेय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पीएम आवास शहरी 2.0 को स्वीकृति मिलने पर सांसद संतोष पाण्डेय खुशी जताई है. उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद पहला काम सरकार ने आवास का किया. जिन आवासों को भूपेश बघेल ने रोका था, साय सरकार ने पहले हस्ताक्षर किया. 84 नगरीय निकायों के लिए नए आवास स्वीकृत हुए हैं. हर व्यक्ति के सिर पर छत होना चाहिए, सरकार चिंता करती है. सांसद संतोष पांडेय धनतेरस के अवसर पर मीडिया से रू-ब-रू हुए. इस दौरान उन्होंने एक हजार से अधिक पदों पर राज्य सरकार द्वारा भर्ती किए जाने पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने युवाओं को तोहफा दिया है. अग्निवीर की सौगात के बाद यह बड़ी सौगात छत्तीसगढ़ को मिली है. वहीं कांग्रेस रैली में शामिल नहीं होने वाले पदाधिकारियों पर कार्रवाई पर सांसद ने कहा कि अपने-अपने विरोधियों की सूची बनाकर भेज रहे हैं. कार्रवाई करने की तैयारी में है, तो कुछ लोग करवाने के लिए भी है. कांग्रेस में सिर फुटव्वल देखने मिल रहा है.



10 जनपद में पट्टी लगाए बैठी है गांधारी-दीपक बैज के बयान कि कांग्रेस अर्जुन है, हर चक्रव्यूह को तोड़ेगी, पर सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि यह अर्जुन नहीं, दुर्योधन है, और 10 जनपद में गांधारी पट्टी बांधकर बैठी है. उनको अपने पुत्र दुर्योधन के सिवाय कोई नहीं दिखता. महाभारत में उनका सत्यानाश होता है. कांग्रेस का पतन होने वाला है.

बस्तर में अमन-चैन के जलेंगे दीप-वहीं रामलीला मैदान में कांग्रेस के प्रदर्शन पर सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि सभा में मंच और कुर्सियां, दोनों ही खाली थी. कांग्रेस की औकात आप देख सकते हैं. इसके साथ बस्तर में कई गांवों में जलेंगे दीप पर सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि कोंटा, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बस्तर में खुशी का माहौल है. अमन और चैन की बयार आज बह रही है. दीपों की रौशनी से बस्तर जगमगाएगा.

उत्कल बस्ती में स्वच्छता सुविधा का विस्तार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आज नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 4 अंतर्गत सिविल लाइन वार्ड 46 अंतर्गत उत्कल बस्ती आकाशवाणी के पास रायपुर उत्तर विधायक निधि अंतर्गत 5 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नवनिर्मित सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स का फीता काटकर लोकार्पण करते हुए रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा द्वारा रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 अंतर्गत सिविल लाईन वार्ड क्रमांक 46 के क्षेत्र में करते हुए जीवन में स्वस्थ परिवेश प्राप्त करने हेतु नागरिकों को एक शानदार सौगात दी गयी. नवीन सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स के लोकार्पण अवसर पर नगर निगम एमआईसी सदस्य एवं वार्ड 46 पार्षद श्रीमती संजना हियाल, नगर निगम जोन 4 जोन अध्यक्ष श्री मुरली शर्मा, एल्डरमैन श्री गोपाल सोना, नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री संतोष हियाल सहित महिलाओं, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों की उपस्थिति रही.



स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रायपुर में सफाई तेज

रायपुर रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री चंद्राकर और आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर सभी जोनो के स्वास्थ्य विभाग की टीमो द्वारा जोन कमिश्नरो के मार्गदर्शन में एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में गंदगी कचरा मलबा वाले स्थानो को चिन्हित कर वहां सघन सफाई करवाकर स्वच्छता कायम करते हुए स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत सीटीयू स्वच्छता लक्षित ईकाई का विकास कर नागरिको को राजधानी शहर में स्वच्छता का सकारात्मक संदेश देने का अभियान निरंतर प्रगति पर है। शहीद ब्रिगेडयर उस्मान वार्ड क्रमांक 63 के क्षेत्र main आरडीए कॉलोनी टिकरापारा और महामाया मन्दिर वार्ड क्रमांक 65 के क्षेत्र में पड़े कचरे और गंदगी को सफाई करवाकर कचरा उठाकर स्वच्छता कायम करते हुए जन - जन को सुन्दर सकारात्मक स्वच्छता संदेश नगर निगम जोन 6 जोन अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता के मार्गनिर्देशन और जोन 6 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह और जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानंद साहू की उपस्थिति में दिया गया।

पटवारियों की हड़ताल पर मूकदर्शक बनी भाजपा सरकार : वंदना राजपूत

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार की प्रशासनिक विफलता का खामियाजा एक बार फिर प्रदेश के किसानों को भुगतना पड़ रहा है। पटवारियों की हड़ताल से प्रदेश की राजस्व व्यवस्था लगभग ठप हो गई है, लेकिन सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। धान खरीदी सिर पर है, पंजीयन की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है या अंतिम चरण में है, किसान अपने राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त कराने के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं और सरकार को किसानों की परेशानी दिखाई नहीं दे रही। भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों और प्रशासनिक नाकामी ने किसानों को संकट में डाल दिया है. प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि धान खरीदी के पहले किसानों का पंजीयन, फौती, नामांतरण, बंटवारा और राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि सुधार बेहद जरूरी है। पटवारियों की हड़ताल के कारण ये सभी काम प्रभावित हो रहे हैं। जिन किसानों के परिवार में मुखिया का निधन हुआ है, उनके नाम पर फौती दर्ज नहीं हो पा रही है। जमीन के रिकॉर्ड में त्रुटियां दूर नहीं हो रही हैं। नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण लंबित पड़े हैं। ऐसे में किसान अपनी ही जमीन का धान बेचने के लिए पात्रता और दस्तावेजों की समस्या से जूझ रहे हैं। सरकार बताए कि यदि किसान का रिकॉर्ड ही दुरुस्त नहीं होगा तो वह धान का पंजीयन और बिक्री कैसे करेगा सरकार की संवेदनहीनता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पटवारी संघ लगातार अपनी समस्याओं से शासन को अवगत करा रहा था.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com